सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

RNI No :- DELHI/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 56, नई दिल्ली । बुधवार, 08 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जितना और हारना यह तो आपकी सोच पर निर्भर करता है मान लो तो हार होगी और ठान लो तो जीत होगी।

03 भलस्वा,गाजीपुर लैंडफिल से कूड़ा नहीं डेयरी हटेगी
06 भारत की कुर्बानियां भूल रहा बांग्लादेश
08 ..... पतंजलि केस में सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सड़क सुरक्षा सहयोगी हेतु आवेदन कर सकते है नागरिक : डीसीपी ट्रैफिक ऊषा

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त राकेश आर्य के दिशा निर्देशानुसार एवं डीसीपी ट्रैफ़िक ऊषा के नेतृत्व में जिला फ़रीदाबाद में यातायात के सुगम एवं प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने एवं आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सड़क सुरक्षा सहयोगी के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं । डीसीपी ट्रैफ़िक ऊषा ने बताया कि फ़रीदाबाद शहर में यातायात जाम की समस्या तथा सड़क दुर्घटनाओं को मद्देनज़र रखते हुए समुदाय में यातायात दुर्घटना की समस्याओं को हल करने में मदद करने के लिए लोगों की भागीदारी बढ़ाने और समुदाय में सुरक्षित ड्राइविंग संस्कृति विकसित करने एवं युवाओं को सड़क सुरक्षा मानदंडों पर प्रशिक्षित होने का अवसर प्रदान करने के लिए यातायात पुलिस द्वारा यह क़दम उठाया गया है । अतः यातायात पुलिस की सभी नागरिकों से अपील है कि जो नागरिक सड़क सुरक्षा संगठन के माध्यम से सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में यातायात पुलिस का सहयोग करना चाहता है वह अजरौंदा चौक स्थित सहायक पुलिस उपायुक्त यातायात (एसीपी ट्रैफिक ऑफिस) कार्यालय में सुबह 10:00 से शाम 4:00 बजे तक आवेदन कर सकता है या अपना आवेदन ईमेल आईडी acptraffic1fbd@hry.nic.in पर भेज सकते है ।

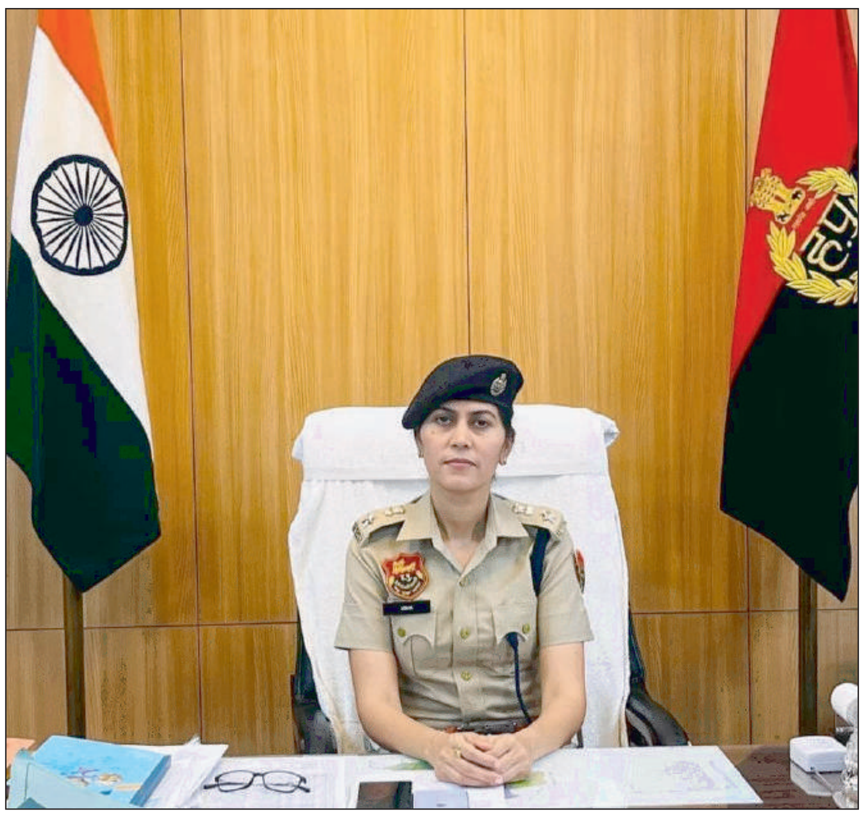

अगर आप वाहन चालक हैं तो सुरक्षित ड्राइविंग एवं सुखद अनुभव के लिए अपने टायरों की शेल्फ लाइफ़ और अधिकतम गति (स्पीड) का प्रेशर झेलनें की क्षमता जानना आपके लिए बहुत ज़रूरी है...

परिवहन विशेष न्यूज

क्या आप जानते हैं कि प्रत्येक टायर की गति रेटिंग टायर की बाहरी सतह पर L से Y तक के अक्षर द्वारा दर्शाई जाती है ?

आप भलीभाँति जानते हैं कि तेज गति में टायर का फटना मतलब सीधा मौत के आगोश में जाना। कई बार टायर विस्फोट बढ़ी हुई गति के कारण होते हैं, और इसे आप अपने टायरों पर दर्शाए गए अक्षर की जाँच करके रोक सकते है। इसलिए, दुर्घटनाओं से बचने के लिए यह सुनिश्चित करना बहुत ज़रूरी है कि आपके टायर तेज़ गति के दबाव को झेल सकें।

प्रत्येक पहिये या टायर की एक निश्चित गति रेटिंग होती है, जिसमें अक्षर L का अर्थ है अधिकतम गति 120 किमी/घंटा और अक्षर Y का अर्थ है अधिकतम गति 300 किमी/घंटा।

टायर पर अंकित शब्द एवं अधिकतम गति :

* अक्षर L - अधिकतम गति 120 किमी।
* अक्षर M - अधिकतम गति 130 किमी।
* अक्षर N - अधिकतम गति 140 किमी।
* अक्षर P - अधिकतम गति 150 किमी।
* अक्षर Q - अधिकतम गति 160 किमी।

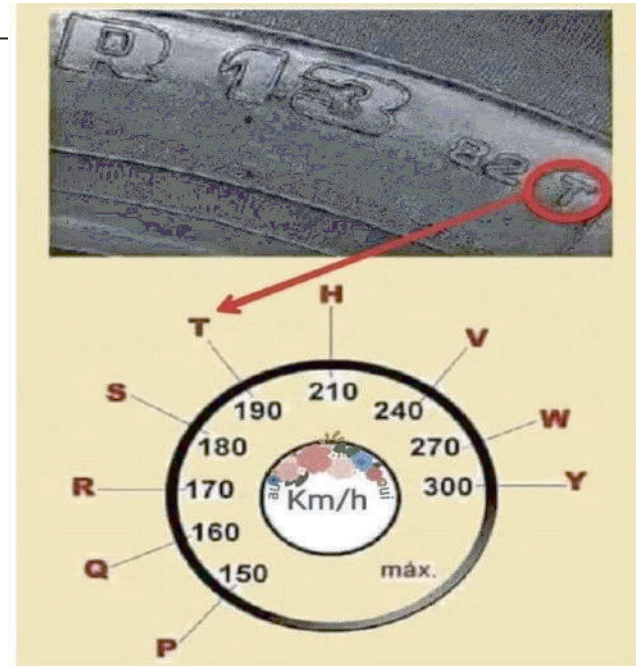

दिल्ली यातायात अधिकारी सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग : डॉ अंकुर शरण

यातायात की भीड़ से निपटने और सड़क सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए, दिल्ली यातायात अधिकारियों ने शहर भर में ब्रेकडाउन की घटनाओं को प्रबंधित करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए एक अभिनव पहल शुरू की है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की शक्ति का उपयोग करके, अधिकारियों का लक्ष्य यात्रियों को सड़क के किनारे ब्रेकडाउन लॉरी पर वास्तविक समय के अपडेट प्रदान करना है, जिससे उन्हें प्रभावी ढंग से यातायात व्यवधानों से निपटने में सशक्त बनाया जा सके।

उद्देश्य:

इस अभूतपूर्व पहल का प्राथमिक लक्ष्य यात्रियों को ब्रेकडाउन की घटनाओं के बारे में समय पर और सटीक जानकारी प्रदान करना है, जिससे वे अपने यात्रा मार्गों के बारे में सूचित निर्णय लेने में सक्षम हो सकें। सोशल मीडिया द्वारा सुगम संचार चैनलों के माध्यम से, अधिकारी ब्रेकडाउन की घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देना चाहते हैं, जिससे भीड़भाड़ कम हो और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

कार्यान्वयन:

इस पहल का कार्यान्वयन दिल्ली यातायात अधिकारियों और ब्रेकडाउन लॉरी ऑपरेटरों के बीच घनिष्ठ सहयोग पर निर्भर करता है। इन ऑपरेटरों से वास्तविक समय स्थान डेटा को अधिकारियों के सोशल मीडिया सिस्टम में एकीकृत किया जाएगा, जिससे ब्रेकडाउन की घटनाओं से संबंधित अलर्ट के तेजी से प्रसार की अनुमति मिलेगी। इन अलर्ट में स्थान, वाहन का प्रकार और व्यवधान की अनुमानित अवधि जैसे महत्वपूर्ण विवरण शामिल होंगे।

प्रमुख विशेषताऐं:

वास्तविक समय अपडेट: यात्रियों को ब्रेकडाउन की घटनाओं पर नवीनतम जानकारी तक पहुंच प्राप्त होगी, जिससे वे अपनी यात्रा योजनाओं को तदनुसार समायोजित कर सकेंगे।

स्थान-आधारित अलर्ट: विशिष्ट सड़क खंडों के लिए अनुरूप अलर्ट वैकल्पिक मार्गों की पहचान की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे भीड़भाड़ कम होगी।

कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि: ब्रेकडाउन की घटनाओं पर विस्तृत जानकारी यात्रियों को व्यवधानों से बचने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने में सशक्त बनाएगी।

सहयोगात्मक दृष्टिकोण: यह पहल अधिकारियों, ब्रेकडाउन सेवा प्रदाताओं और यात्रियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है, जिससे सड़क सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा मिलता है।

फ़ायदे:

भीड़भाड़ में कमी: ब्रेकडाउन लॉरी के विवरण के समय पर प्रसार से यात्रियों को प्रभावित क्षेत्रों से बचने में मदद मिलेगी, जिससे यातायात प्रवाह में सुधार होगा।

बढ़ी हुई सुरक्षा: सटीक जानकारी तक पहुंच से दिल्ली की सड़कों पर सुरक्षा बढ़ेगी, जिससे टूटने की घटनाओं से जुड़ी दुर्घटनाओं का जोखिम कम हो जाएगा।

कुशल संसाधन आवंटन: ब्रेकडाउन की घटनाओं की सक्रिय पहचान से कुशल संसाधन आवंटन की सुविधा मिलेगी, जिसके परिणामस्वरूप त्वरित प्रतिक्रिया समय और समस्या समाधान होगा।

इस दूरदर्शी पहल के माध्यम से, दिल्ली यातायात प्राधिकरण सड़क सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने और यातायात की भीड़ को कम करने के लिए तैयार हैं, जो शहर के परिवहन परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम है।

https://www.facebook.com/dtptraffic?mibextid=ZbWKwL

roadsafetysquad@gmail.com

पर्यावरण पाठशाला : टायर कभी रिटायर नहीं होता -अंकुर

हर घिसा हुआ टायर अनगिनत मील की यात्रा की कहानी कहता है, लेकिन जब सड़क पर उसकी यात्रा समाप्त हो जाती है तो क्या होता है ? इसका उत्तर उन नवीन तरीकों में निहित है जिनसे हम इन पुराने टायरों का पुनः उपयोग करते हैं, उन्हें बेकार रबर से मूल्यवान संपत्ति में बदलते हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूक पहल से लेकर रचनात्मक DIY परियोजनाओं तक, संभावनाएं खुली सड़क जितनी ही अनंत हैं।

स्थायी समाधान: पर्यावरणीय प्रभाव: हर साल लाखों टायर अपनी सड़क अवधि के अंत तक पहुंच रहे हैं, ऐसे में उचित निपटान एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करता है। पुराने टायरों का पुनर्चक्रण लैंडफिल कचरे को कम करके और हानिकारक रसायनों के उत्सर्जन को रोककर पर्यावरणीय नुकसान को कम करता है।

संसाधन संरक्षण: टायरों को दोबारा उपयोग में लाने से मूल्यवान संसाधनों का संरक्षण होता है जिनका उपयोग अन्यथा नए उत्पादों के निर्माण में किया जाता। पुराने टायरों को नया जीवन देकर, हम कच्चे माल की मांग कम करते हैं और टायर उत्पादन के पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करते हैं।

उद्यान संवर्द्धन: पुराने टायर बगीचों और शहरी हरे स्थानों के लिए उत्कृष्ट प्लांटर्स बनाते हैं। उनका टिकाऊ निर्माण और बहुमुखी प्रतिभा रचनात्मक भूनिर्माण समाधानों की अनुमति देती है, जैसे कि टियरड फूलों के बिस्तर या सब्जी पैच।

खेल के मैदान की सुरक्षा: कटा हुआ टायर रबर, जिसे ₹रबर मल्च₹ के रूप में जाना जाता है, रेत या बजरी जैसी पारंपरिक खेल के मैदान की सतहों के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान करता है। इसके शॉक-एब्जॉर्बिंग गुण कुशन को गिरा देते हैं, जिससे बच्चों को खेलते समय चोट लगने का खतरा कम हो जाता है।

घर की सजावट: स्टाइलिश ओटोमैन से लेकर ऊबड़-खाबड़ आउटडोर फर्नीचर तक, पुराने टायर विभिन्न प्रकार की DIY होम सजावट परियोजनाओं के लिए उपयुक्त हैं। थोड़ी सी कल्पना और शिल्प कौशल के साथ, ये साधारण वस्तुएं किसी भी रहने की जगह में चरित्र और आकर्षण जोड़ सकती हैं।

लघु व्यवसाय उद्यम: उद्यमी आत्माएं पुराने टायरों को विपणन योग्य उत्पादों में पुनः उपयोग करके लाभदायक उद्यमों में बदल सकती हैं। अपसाइक्लिंग फैशन एक्सेसरीज से लेकर औद्योगिक सामग्री तक, टायर रीसाइक्लिंग की दुनिया में व्यवसाय के अवसरों की कोई कमी नहीं है।

सामुदायिक विकास: टायर रीसाइक्लिंग पहल से न केवल पर्यावरण को लाभ होता है बल्कि सामुदायिक विकास को भी बढ़ावा मिलता है। संग्रह और प्रसंस्करण प्रयासों में स्थानीय निवासियों को शामिल करके, ये परियोजनाएं रोजगार पैदा करती हैं और पड़ोस और नगर पालिकाओं के भीतर सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देती हैं।

तकनीकी प्रगति: शोधकर्ता निर्माण से लेकर नवीकरणीय ऊर्जा तक के क्षेत्रों में पुनर्नवीनीकरण टायर सामग्री के लिए अभिनव उपयोग की खोज कर रहे हैं। चिकनी, शांत सड़कों के लिए रबरयुक्त डामर से लेकर ऊर्जा-कुशल निर्माण सामग्री तक, टायर रीसाइक्लिंग में नवाचार की संभावनाएं विशाल और आशाजनक हैं।

सहयोगात्मक प्रयास: सार्वजनिक-निजी भागीदारी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग टायर रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों और बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संसाधनों और विशेषज्ञता को एकत्रित करके, हितधारक अधिक टिकाऊ और चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में प्रगति को गति दे सकते हैं।

सड़क छोड़ने पर टायर की यात्रा ख़त्म नहीं होती; यह मानव रचनात्मकता की सरलता और टिकाऊ प्रथाओं के लचीलेपन के माध्यम से नए सिरे से शुरू होता है। पुराने टायरों की क्षमता का उपयोग करके, हम न केवल पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हैं बल्कि नवाचार, आर्थिक विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण के अवसरों को भी खोलते हैं। तो, अगली बार जब आप एक पुराना टायर देखें, तो उसके अंत की नहीं बल्कि एक नई शुरुआत की संभावना की कल्पना करें - जो हमें एक हरित, अधिक टिकाऊ भविष्य की राह पर ले जाता है।

indiangreenbuddy@gmail.com

दिल्ली के ऑटो चालक ने सीमा सुरक्षा बल के जवान की चाकू मारकर कर दी हत्या, जाने पूरा मामला

क्या है पूरा मामला ? पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) रोहित मीणा ने बताया पीड़ित मुकेश कुमार रणवा ने विनोद (40) के चेहरे पर मुक्का मारा, जिसके बाद दोनों के बीच मामूली झगड़ा हुआ। जवाबी कार्रवाई में विनोद ने मुकेश कुमार रणवा की गर्दन पर चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "सुबह 2.39 बजे हमें एक राहगीर का फोन आया जिस पर उसने कहा "दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के आरके पुरम के सेक्टर 4 में एक व्यक्ति खून से लथपथ पड़ा है।" पुलिस अधिकारी सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) में ड्राइवर के तौर पर तैनात मुकेश कुमार रणवा को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। डीसीपी मीणा द्वारा बताया गया कि आरोपी ऑटो चालक 2018 में भी मारपीट के एक मामले में शामिल था उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

महादेव शिव को सिर्फ भारत और श्रीलंका में ही नहीं पूजा जाता बल्कि विश्व में अनेकों देश ऐसे हैं, जहां भगवान शिव की प्रतिमा या उनके प्रतीक शिवलिंग की पूजा का प्रचलन है

पहले दुनिया भर में भगवान शिव हर जगह पूजनीय थे, इस बात के हजारो सबूत आज भी वर्तमान में हमें देखने को मिल सकते हैं। प्राचीन काल में यूरोपीय देशों में भी भगवान शिव और उनके प्रतीक शिवलिंग की पूजा का प्रचलन था। इटली का शहर रोम दुनिया के प्राचीनतम शहरों में से एक है। रोम में प्राचीन समय में वहां के निवासियों द्वारा शिवलिंग की पूजा 'प्रयापस' के रूप में की जाती थी। रोम के वेटिकन शहर में खुदाई के दौरान भी एक शिवलिंग प्राप्त किया गया। जिसे ग्रेगोरियन इट्रस्केन म्यूजियम में रखा गया है। इटली के रोम शहर में स्थित वेटिकन शहर का आकार भगवान शिव के आदि-अनादि स्वरूप शिवलिंग की तरह ही है, जो की एक आश्चर्य प्रतीत होता है। हाल ही में इस्लामिक राज्य द्वारा नेस्तनाबूद कर दिए गए प्राचीन शहर पलमायरा नीमरूद आदि नगरों में भी शिव की पूजा से संबंधित अनेक वस्तुओं के अवशेष मिले हैं। पुरातात्विक निष्कर्षों के अनुसार प्राचीन शहरों मेसोपोटेमिया और बेबीलोन में भी शिवलिंग के पूजे जाने के प्रमाण पाए गए है। इसके अलावा मोहनजोदड़ो और हड़प्पा सभ्यता में भी भगवान शिव की पूजा से संबंधित वस्तुओं के अवशेष मिले हैं। जब भिन्न-भिन्न सभ्यताओं का जन्म हो रहा था, उस समय सभी लोग प्रकृति और पशुओं पर ही निर्भर थे इसलिए वह प्राचीन समय में भगवान शिव की पशुओं के संरक्षक पशुपति देवता के रूप में पूजा करते थे। आयरलैंड के तार हिल स्थान पर भगवान शिव के शिवलिंग के भांति एक लम्बा अंडाकार रहस्यमय पत्थर रखा गया है। जिसे यहां के लोगों द्वारा भाग्य प्रदान करने वाले पत्थर के रूप में पुकारा जाता है। फ्रांसीसी भिक्षुओं द्वारा 1632 से 1636 ईस्वी के बीच लिखित एक प्राचीन दस्तावेज के अनुसार इस पत्थर को इस स्थान पर चार अलौकिक लोगों द्वारा स्थापित किया गया था। साउथ अफ्रीका की सुद्वारा नामक एक गुफा में पुरातत्वविदों को महादेव शिव के शिवलिंग का लगभग 6000 वर्ष पुराना शिवलिंग प्राप्त हुआ है। जिसे कठोर ग्रेनाइट पत्थर से निर्मित किया गया था। इस शिवलिंग को खोजने वाले पुरातत्व विभाग के लोग इस बात को लेकर हैरान है कि आखिर ये शिवलिंग अब तक कैसे सुरक्षित रह सकता है।

पर्यावरण पाठशाला : इको क्लब, फ़रीदाबाद ; एक उल्लेखनीय कदम - अंकुर

इको क्लब ऑफ फ़रीदाबाद सोसाइटी ने पर्यावरणीय प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हुए अपनी हालिया पहल के साथ सतत विकास की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम उठाया है। आईपी कॉलोनी, सेक्टर-32, फ़रीदाबाद में चार अलग-अलग स्थानों पर घरेलू स्क्रैप से तैयार किए गए सूखे कचरा संग्रह बक्से की स्थापना का उद्घाटन करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन, एक हरित, स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण को दर्शाता है।

इनमें से प्रत्येक नवीन सूखा कचरा संग्रहण बॉक्स, जिसका वजन लगभग 200 किलोग्राम है, जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन और रीसाइक्लिंग प्रथाओं के एक मूर्त प्रतीक के रूप में कार्य करता है। घरेलू स्क्रैप को कार्यात्मक संग्रह इकाइयों में पुनः उपयोग करके, इको क्लब न केवल अपशिष्ट निपटान के महत्वपूर्ण मुद्दे को संबोधित करता है, बल्कि चक्रीय अर्थव्यवस्था और संसाधन संरक्षण के लोकाचार को भी बढ़ावा देता है।

इसके अलावा, हाल के सूखे कचरा संग्रहण अभियानों के माध्यम से एकत्र किए गए पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक कचरे से बनी सामुदायिक बेंच का अनावरण, उनके प्रयासों में महत्व की एक और परत जोड़ता है। यह बेंच न केवल व्यावहारिक बैठने का समाधान प्रदान करती है, बल्कि रीसाइक्लिंग और अपसाइक्लिंग पहल में निहित परिवर्तनकारी क्षमता की एक मार्मिक अनुस्मारक के रूप में भी कार्य करती है।

मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित इंजीनियर श्री सुशील ठाकरान (एमसीएफ, ओल्ड फ़रीदाबाद) की उपस्थिति व्यापक समुदाय में ऐसी पहल के महत्व और प्रासंगिकता को रेखांकित करती है। इको क्लब जैसे समूहों को समर्थन और सुविधा प्रदान करने के लिए एमसीएफ की प्रतिबद्धता पर उनका जोर फरीदाबाद में सार्थक बदलाव लाने के लिए आवश्यक सहयोगात्मक भावना को उजागर करता है।

कार्यक्रम की सफलता, जैसा कि आईपी कॉलोनी आरडब्ल्यूए ए, बी, सी और इंद्रप्रस्थ अपार्टमेंट के अध्यक्षों की उत्साही भागीदारी से प्रमाणित है, सतत विकास पहल के मूल्य की सामूहिक मान्यता का प्रतीक है। यह देखकर खुशी हो रही है कि समुदाय के स्थानीय निवासी पर्यावरणीय मुद्दों के लिए एक साथ आ रहे हैं और उन पहलों का समर्थन कर रहे हैं जो लोगों और ग्रह दोनों की भलाई में योगदान करती हैं।

इको क्लब फ़रीदाबाद सोसाइटी के नेतृत्व में नीता गुप्ता (अध्यक्ष), ममता श्रीवास्तव (उपाध्यक्ष), शालिनी अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), पल्लवी सचान (महासचिव), और सोनाली सारस्वत (संयुक्त सचिव) जैसी समर्पित सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। आईपी कॉलोनी के निवासी, सकारात्मक परिवर्तन लाने में जमीनी स्तर की सक्रियता की शक्ति का उदाहरण देते हैं। अपने ठोस प्रयासों के माध्यम से, वे न केवल पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देते हैं बल्कि युवाओं को अधिक टिकाऊ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे सभी के लिए एक उज्जवल और हरित भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है।

indiangreenbuddy@gmail.com

संस्कारशाला : वृद्धावस्था की तैयारी

जीवन में शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था का आनंद उठाते हुए कब व्यक्ति प्रौढ़ावस्था में अपने जीवन का निर्वाह करता हुआ वृद्धावस्था में पहुंच जाता है उसे पता ही नहीं चलता।पूरी ज़िंदगी वह इस पड़ाव तक पहुंचने में तो लगा देता है पर इस सबसे महत्वपूर्ण पांचवे दौर के लिए कोई तैयारी नहीं कर पाता है जो कि सबसे आवश्यक है।

विकासशील भारत में आज भी बहुत से ऐसे घर हैं जहाँ घरेलू दिनचर्या से आर्थिक व्यवस्था तक का जिम्मा सिर्फ पुरुष ही उठाते हैं और सबल नारी को उसके अबला होने का एहसास एक बार फिर कराया जाता है।

जीवन का पलड़ा कब किस पर भारी हो यह कहा नहीं जा सकता, अतः दोनो की ही भूमिका इस दौर को खुशीपुर्ण निर्वाह करने के लिए अहम है। कहीं बेटा है तो कहते हैं घर संभल जाएगा लेकिन वह बेटा सपूत ही निकले इसकी जिम्मेदारी कोई नहीं ले पाता। वहीं एक ओर निःसंतान दम्पत्ति का सहारा एक दूसरे पर ही आश्रित होके रह जाता है। अतः हर व्यक्ति को समय रहते ही इस दिशा में सही कदम उठा लेने चाहिए ताकि वह अपने परिवार, समाज, वातावरण, और अपनी इच्छाएं एवं सपनों के बीच सही समन्वय बिठा पाए।

यह तभी मुमकिन है जब आर्थिक और वृद्धावस्था में आने वाली शारीरिक समस्या आने के पहले ही उसका हल तैयार हो, जिसके लिए कुछ साधारण सी आदतें अपनायीं जा सकती है, जैसे हमेशा आकस्मिक कोष में कुछ राशि ज़रूर रखें, कुछ राशि मासिक आय योजनाओं में लगाएं, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं, और ज़्यादा फायदा के लोभ में कभी पैसा न फ़साएं। इन कार्यों की सम्पूर्ण जानकारी दंपत्ति को अवश्य होनी चाहिए ताकि जीवन के पड़ाव में अकेले जीने की जरूरत पड़े तो जीवन आसानी से निर्वाह हो सके।

सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यदि सभी योजनाबद्ध करें तो मैं यह ज़रूर मानती हूं के जीवन की अंतिम पड़ाव : वृद्धावस्था को पार करना एक बिल्कुल भी मुश्किल डगर नहीं होगी।

सविता गुप्ता, इलाहाबाद

खाटू श्याम को गुलाब व इत्र चढ़ाने से पूरी होती है हर मनोकामना, जानिए इसका महत्व

अनन्या मिश्रा

श्रृंगार आरती के दौरान खाटू श्याम का विशेष श्रृंगार किया जाता है। इस श्रृंगार में सुगंधित फूलों के साथ इत्र का भी इस्तेमाल किया जाता है। जिस वजह से खाटू श्याम बाबा का गर्भगृह फूलों की महक और इत्र की सुगंध से महकता है।

राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम जी का मंदिर है। खाटू श्याम को हारे का सहारा, तीन बाण धारी और लख्तादार जैसे कई नामों से जाना जाता है। इसके साथ ही खाटू श्याम को श्रीकृष्ण का कलयुगी अवतार भी माना जाता है। दरअसल, खाटू श्याम महाबली भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक हैं। श्रृंगार आरती के दौरान खाटू श्याम का विशेष श्रृंगार किया जाता है।

इस श्रृंगार में सुगंधित फूलों के साथ इत्र का भी इस्तेमाल किया जाता है। जिस वजह से खाटू श्याम बाबा का गर्भगृह फूलों की महक और इत्र की सुगंध से महकता है। वहीं इसके पीछे एक खास वजह भी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि श्याम बाबा को इत्र चढ़ाने का क्या महत्व है।

क्यों चढ़ता है इत्र

पौराणिक मान्यता के मुताबिक जब बर्बरीक छोटे थे, तो उनके जन्मस्थान के पास एक नगरी थी। जहां पर गुलाब के बहुत सारे पौधे थे। ऐसे में बर्बरीक जी अपना ज्यादातर समय वहीं बिताना पसंद करते थे। इसके अलावा उनको गुलाब के फूलों के साथ खेलना भी काफी पसंद था। तभी से गुलाब खाटू श्याम के प्रिय बन गए। तभी से खाटू श्याम बाबा को प्रिय पुष्प गुलाब के फूल या फिर इनसे बना इत्र चढ़ाने की परंपरा शुरू हो गई।

यह भी है वजह

इसके अंलावा खाटू श्याम बाबा को गुलाब के फूल या इससे बना इत्र चढ़ाने की यह भी वजह मानी जाती है कि हिंदू धर्म में गुलाब के फूल को प्रेम का प्रतीक माना जाता है। जब भक्त अपने श्याम बाबा को गुलाब का फूल या गुलाब से बना इत्र चढ़ाते हैं, तो यह भगवान और भक्त के बीच अटूट प्रेम और विश्वास को दर्शाता है।

मिलता है ये लाभ

मान्यता के मुताबिक खाटू श्याम बाबा को जो भी भक्त सच्चे मन से गुलाब अर्पित करता है। बाबा उसकी सभी गतलियां माफ कर देते हैं। इसके साथ ही जातक की हर मनोकामना पूरी होती है। वहीं खाटू श्याम के मंदिर से इत्र घर लाने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

श्याम बाबा को अर्पित की जाती हैं ये चीजें

गुलाब और इत्र के साथ-साथ बाबा खाटू श्याम को खिलौने भी चढ़ाए जाते हैं। कहा जाता है कि यदि कोई निसंतान दंपति बाबा श्याम को बांसुरी, खिलौने और मोर छड़ी चढ़ाकर गोद भरने की कामना करते हैं। उनकी मनोकामना जल्द पूरी होती है। इसके अलावा नारियल बांधकर भी परिवार को सुख-समृद्धि की कामना की जाती है।

स्वयंसेवकशाला : "इटरनल एनर्जी फाउंडेशन", सामुदायिक भावना की एक कहानी - अंकुर

नोएडा के हलचल भरे शहर में, वैश्विक महामारी के परीक्षणों के बीच, प्रगतिशील नागरिकों का एक छोटा लेकिन प्रेरक समूह आशा और सुनहरी किरण बनकर उभरा। कोविड-19 के कारण होने वाली पीड़ा को कम करने की साझा प्रतिबद्धता से एकजुट होकर, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए एक मिशन शुरू किया कि कोई भी भूखा न सोए, कोई भी भूखा न सोए, चाहे वह इंसान हो या जानवर। उनकी रैली का नाराः #करुणा सबके लिए #CompassionForAll

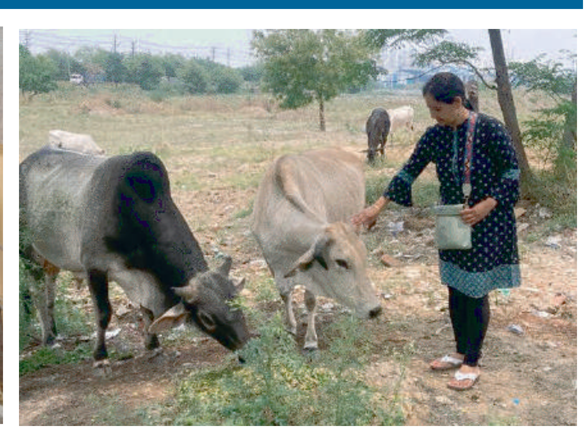

संकट की शुरुआत से, यह समूह, जिसे इटरनल एनर्जी फाउंडेशन के नाम से जाना जाता है, कार्रवाई में जुट गया। तत्काल आवश्यकता को पहचानते हुए, उन्होंने पूरे नोएडा और इसके विस्तार में 3500 से अधिक परिवारों को किराने का सामान वितरित किया, जिससे कोई भी कोना अछूता नहीं रहा। लेकिन उनकी करुणा यहीं ख़त्म नहीं हुई. एक समानांतर प्रयास में, उन्होंने आवारा मवेशियों के लिए एक नया चारा अभियान शुरू किया, और कुशल कवरेज सुनिश्चित करने के लिए शहर को ज़ोन में विभाजित किया। हर दिन, वे अथक सेवा के अपने लोकाचार को मूर्त रूप देते हुए, लगभग 150 आवारा मवेशियों को अथक भोजन प्रदान करते थे।

जैसे-जैसे महामारी बढ़ती गई, अभूतपूर्व चुनौतियाँ पेश होती गईं, फाउंडेशन ने अपने प्रयासों को अनुकूलित और विस्तारित किया। उथल-पुथल वाले लॉकडाउन 2 के दौरान, उन्होंने सावधानीपूर्वक अस्पतालों और ऑक्सीजन आपूर्तिकर्ताओं का एक डेटाबेस तैयार किया, और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए संसाधन जुटाए। चौबीसों घंटे काम करते हुए, उन्होंने अस्पताल के बिस्तरों और ऑक्सीजन सिलेंडरों तक पहुंच की सुविधा प्रदान की, जिससे अनगिनत व्यक्तियों और परिवारों को जीवन रेखा मिली।

उनके निस्वार्थ समर्पण की कोई सीमा नहीं थी; उन्होंने आर्थिक कठिनाई का सामना कर रहे लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए अपने संसाधन भी जुटाए।

लेकिन उनकी प्रतिबद्धता तत्काल राहत प्रयासों से कहीं आगे तक बढ़ गई। शिक्षा पर महामारी के गहरे प्रभाव को पहचानते हुए, उन्होंने वंचित बच्चों के लिए ₹घर पर बैठें₹ ट्यूशन कार्यक्रम शुरू किया। हाशिए की पृष्ठभूमि के उत्कृष्ट छात्रों की प्रतिभा का लाभ उठाते हुए, उन्होंने इन युवाओं को ज्ञान और समर्थन के साथ सशक्त बनाया, जिससे प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में लचीलापन पैदा हुआ।

जैसे ही समुदाय ने महामारी के मद्देनजर पुनर्निर्माण करना शुरू किया, फाउंडेशन ने अपना ध्यान स्थायी सशक्तिकरण पर केंद्रित कर दिया। उन्होंने निराश्रित महिलाओं को लाभकारी रोजगार प्रदान करने, उन्हें सिलाई मशीनों से लैस करने और कपड़े के थैले बनाना सिखाने की साहसिक पहल शुरू की। इस अभिनव प्रयास ने न केवल आजीविका के अवसर प्रदान किए बल्कि हानिकारक प्लास्टिक के विकल्प के रूप में कपड़े के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान दिया।

उनके अटूट समर्पण और प्रभावशाली पहल को व्यापक मान्यता मिली है, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार और प्रशंसा मिली है, जिसमें नोएडा प्राधिकरण के सीईओ की सराहना भी शामिल है। लेकिन इटरनल एनर्जी फाउंडेशन के सदस्यों के लिए, सबसे बड़ा पुरस्कार उनके समुदाय पर उनके द्वारा किए गए परिवर्तनकारी प्रभाव में निहित है।

जैसे ही वे अपने नेक मिशन को जारी रखते हैं, फाउंडेशन दूसरों को उनके साथ जुड़ने, समर्थन करने, स्वयंसेवा करने और एकजुटता से खड़े होने के लिए आमंत्रित करता है क्योंकि वे अधिक दयालु और श्रेष्ठ नोएडा बनाने का प्रयास करते हैं।

उनकी परियोजनाओं के बारे में अधिक जानने या सहायता प्रदान करने के लिए, कृपया व्हाट्सएप 9891546445, 8750065501 के माध्यम से इटरनल एनर्जी फाउंडेशन से संपर्क करें।

Email : indiangreenbuddy@gmail.com

दिल्ली में 43 डिग्री का टॉर्चर: पसीने छुड़ा रही चुभन भरी गर्मी, IMD ने बढ़ते तापमान से राहत लेकर दिया अपडेट

लगातार बढ़ रही गर्मी के बीच अब राजधानी में मंगलवार का दिन इस वर्ष और सीजन का सबसे ज्यादा गर्म दिन रहा। दिल्ली का अधिकतम पारा पहली बार 42 डिग्री पहुंच गया। वहीं तीन इलाके ऐसे रहे जहां का अधिकतम तापमान 43 डिग्री से भी ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें हाल फिलहाल इस चुभन भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

नई दिल्ली। लगातार बढ़ रही गर्मी के बीच अब राजधानी में मंगलवार का दिन इस वर्ष और सीजन का सबसे ज्यादा गर्म दिन रहा। दिल्ली का अधिकतम पारा पहली बार 42 डिग्री पहुंच गया। वहीं, तीन इलाके ऐसे रहे जहां का अधिकतम तापमान 43 डिग्री से भी ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें हाल फिलहाल इस चुभन भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

मंगलवार को सुबह ही धूप खिल गई थी, जो दिन चढ़ने के साथ साथ और तीखी होती गई। इसके चलते तापमान में भी तेजी से वृद्धि देखने को मिली। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा रहा। न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 71 से 24 प्रतिशत तक रिकार्ड किया गया।

आज हो सकती है बादलों की आवाजाही

मौसम विभाग का अनुमान है कि बुधवार को दिन भर तेज धूप खिले रहने के बावजूद बादलों की आवाजाही हो सकती है। अधिकतम तापमान 41 और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं, 10 और 11 तारीख को दिल्ली में कुछ जगहों पर हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है। इससे तापमान में हल्की गिरावट आने की भी संभावना है।

मंगलवार को दिल्ली में इन स्थानों पर तापमान ने लगाई छलांग

स्थान	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान (डिग्री में)
जाफरपुर	43.1	25.2
नजफगढ़	43.9	26.9
नरेला	43.1	24.6
पीतमपुरा	41.9	27.7
पूसा	42.3	24.7

भलस्वा, गाजीपुर लैंडफिल से कूडा नहीं डेयरी हटेगी

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। दिल्ली नगर निगम के चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने भलस्वा, गाजीपुर और ओखला से एक साल के भीतर कूडे के पहाड हटाने के नाम पर चुनाव जीता था। लेकिन आज दो साल होने को है, कूडे के पहाड तो नहीं हटे पर लैंडफिल साइट के आस-पास चल रही पशुओं की डेयरियों को हटाने के आदेश हाई कोर्ट ने जरूर दे दिए हैं। कोर्ट का कहना है कि कूडे की सेनेट्री लैंडफिल के आस - पास चल रही पशु डेरियो से बिकने वाला दूध सेहत के लिए ठीक नहीं है।साथ ही यहां के पशुओं को मिल रहे चारा समेत पानी भी अशुद्ध है।लैंडफिल के नजदीक निकलने वाला पानी ठीक नहीं है।अशुद्ध चारा-पानी, हवा के सेवन से पशुओं में बिमारी पनप रही है। ऊपर से बिमार पशु का दूध सेवन छोटे बच्चों समेत बडों के लिए भी सेहत के लिहाज से ठीक नहीं है। अब हाई कोर्ट के डेयरियों को लैंडफिल साइट से स्थानांतरित करने के आदेश से डेयरी पशु पालकों में खासा रोष व्याप्त हो गया है। पशुपालकों का आरोप है कि कूडे के पहाड हटाने की बजाए डेयरियों को ही यहां से हटाना अन्याय है। पशुपालकों का कहना है कि पिछले 50 साल से हम यहां डेयरी चला रहे हैं। सरकार ने आज तक उचित सुविधाए तक मयैस्सर नहीं की है। उल्टे हमारी डेयरियों के पास पूरी दिल्ली का कूडा लाकर पहाड खडे कर दिए है। बरसात में इन कूडे के पहाड से बरसात का पानी जमीन में समां रहा है। इससे ग्राउंड वाटर तक पीने लायक नहीं है। बावजूद इसके लैंडफिल से कूडा हटाया नहीं जा रहा है। पशुपालकों समेत यहां के निवासियों ने पहले कूडे के पहाड हटाने की वकालत की है।उल्लेखनीय है कि वर्ष 1977 में गाजीपुर डेरी की स्थापना की थी।राजधानी दिल्ली में चल रहीं पशु डेयरियों को सरकार ने यहां जगह देकर बसाया था। लेकिन आज 50 साल के बाद भी सरकार ने इन डेयरियों के विकास और सुविधाओं पर उचित ध्यान नहीं दिया। आज ये हालात है कि पूरी दिल्ली का कूडा यहां लाकर पटका जा रहा है। अब यहां कूडे के पहाड बन गए है। दिल्ली नगर निगम द्वारा कूडा हटाने के लिए दावे तो बहुत किए पर कूडे पहाड छटने की बजाए बढते ही जा रहे हैं।कूडे की वजह से गैस बन रही है। उसमें आए-दिन आग लग जाती है। इससे पर्यावरण तक बिगड रहा है।

एनएसईआरडी चेयरमैन मोहम्मद कैफ को अवार्ड से किया गया सम्मानित

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली– न्यू सोशियो-इकोनॉमिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट (एनएसईआरडी) के अध्यक्ष मोहम्मद कैफ को उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए ऑथेंटिक स्कूल ऑफ नॉलेज ग्लोबल फाउंडेशन (एएसके) द्वारा अवार्ड से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में मौजूद मेहमानों ने उन्हें उनके सामाजिक कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि मोहम्मद कैफ द्वारा समाज के लिए की गई सेवाएं सराहनीय हैं और हमें उम्मीद है कि वह अपना काम अच्छे से जारी रखेंगे और सभी जरूरतमंदों की सेवा करेंगे।

जरूरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा कर्तव्य है:कैफ़

इस मौके पर मोहम्मद कैफ ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा कर्तव्य है और उसी से उम्मीद रखी जाती है जिससे उम्मीद पूरी होने संभावना हो . इसीलिए हम हमेशा हर जरूरतमंद व्यक्ति की यथासंभव मदद करने का प्रयास करते हैं और हम अपना काम तेज गति से कर रहे हैं और अब तक हम दिल्ली सहित अन्य राज्यों में लाखों जरूरतमंद लोगों तक मदद पहुंचा चुके हैं। यह सिलसिला जारी है और अल्लाह ने चाहा तो यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा क्योंकि हमारा उद्देश्य वास्तविक जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना है।

उल्लेखनीय है कि एनएसईआरडी दिल्ली और अन्य राज्यों में गर्म कपड़े, मुफ्त राशन किट, दवा और शिक्षा आदि प्रदान कर रहा है और एनएसईआरडी के कई शैक्षणिक केंद्र और संस्थान चल रहे हैं।

सबसे गर्म ही नहीं, सबसे प्रदूषित दिन भी रहा 7 मई, 82 दिन बाद दमघोंटू हुई दिल्ली की हवा

मंगलवार का दिन सीजन का सबसे गर्म ही नहीं प्रदूषित भी रहा। 82 दिन बाद दिल्ली का एक्यूआई 300 का आंकड़ा पार कर बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया। दो इलाकों शादीपुर और आनंद विहार में तो यह 400 का आंकड़ा पार कर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। विशेषज्ञों ने इसके लिए हवा में धूल कणों का बढ़ना प्रमुख कारण बताया है।

नई दिल्ली। मंगलवार का दिन सीजन का सबसे गर्म ही नहीं, प्रदूषित भी रहा। 82 दिन बाद दिल्ली का एक्यूआई 300 का आंकड़ा पार कर "बहुत खराब" श्रेणी में पहुंच गया। दो इलाकों शादीपुर और आनंद विहार में तो यह 400 का आंकड़ा पार कर "गंभीर" श्रेणी में दर्ज किया गया। विशेषज्ञों ने इसके लिए हवा में धूल कणों का बढ़ना प्रमुख कारण बताया है।

दिल्ली का अधिकतम पहली बार पारा मंगलवार को 42 डिग्री पहुंच गया। वहीं, तीन इलाके ऐसे रहे जहां का अधिकतम तापमान 43 डिग्री से भी ज्यादा दर्ज किया गया

कितना दर्ज हुआ एक्यूआई

सीपीसीबी द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआई 302 दर्ज किया गया। इससे पहले यह 14 फरवरी को 341 रहा था। यानी 82 दिनों के बाद एक बार फिर दिल्ली की हवा "बहुत खराब" श्रेणी में पहुंच गई।

आमतौर पर गर्मियों के दिनों में वायु गुणवत्ता इतनी खराब होती नहीं है, लेकिन वर्षा नहीं होने एवं हवा के साथ सूखी मिट्टी और धूल उड़ने के कारण एक्यूआई बढ़ रहा है।

आपात बैठक बुलाई

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अनुसार, अत्यधिक प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के कारण मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता चिंताजनक रूप से गिरकर "बहुत खराब" श्रेणी में आ गई। वायु प्रदूषण कम करने की रणनीति बनाने और उसे लागू करने के लिए ही एक आपात बैठक बुलाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

ये परिस्थितियां हैं जिम्मेदार

इस बैठक में मौसम विभाग और आईआइटीएम पुणे के प्रतिनिधियों ने हवा की गुणवत्ता में गिरावट के लिए ₹अत्यधिक प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों₹ को जिम्मेदार ठहराया। कहा गया कि बरसात न होने, पूर्ण रूप से शुष्क परिस्थितियों, हवा की दिशा और गति में तेजी से बदलाव के कारण पार्टिकुलेट मैटर बढ़ गया है। इसके लिए किसी विशिष्ट स्थानीय क्षेत्र को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

लिहाजा, सीएक्यूएम ने सभी संबंधित एजेंसियों से निर्माण और विध्वंस गतिविधियों, सड़कों और खुले क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई तेज करने को कहा है।

इन इलाकों की हवा रही सबसे खराब

शादीपुर - 404

आनंद विहार - 422

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में DC vs RR के मैच के दौरान केजरीवाल के समर्थन में नारेबाजी, पुलिस ने हिरासत में लिया

परिवहन विशेष न्यूज

अरुण जेटली स्टेडियम (Arun Jaitley Stadium) में मंगलवार को हुए दिल्ली कैपिटल (Delhi Capitals) और राजस्थान रॉयल्स (Rajasthan Royals) के बीच खेले जा रहे आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान करीब दो दर्जन से अधिक युवकों ने अचानक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस की नजर पड़ते ही सभी को तुरंत हिरासत में लेकर आईपी एस्टेट थाने ले जाया गया।

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम (Arun Jaitley Stadium) में मंगलवार को हुए दिल्ली कैपिटल (Delhi Capitals) और राजस्थान रॉयल्स (Rajasthan Royals) के बीच खेले जा रहे आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान करीब दो दर्जन से अधिक युवकों ने अचानक दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस की नजर पड़ते ही सभी को तुरंत हिरासत में लेकर आईपी एस्टेट थाने ले जाया गया। सभी से पुलिस देर रात तक पूछताछ कर रही थी।

पुलिस का कहना है कि एक महिला जो पहले दिल्ली महिला की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ काम करती थी। वही, कॉलेज में पढ़ने वाले कुछ छात्रों को क्रिकेट मैच दिखाने के बहाने स्टेडियम में लेकर आई थी। सभी को उन्होंने पेंट और टीशर्ट भी मुहैया कराया था।

छात्रों को बताया गया था कि उनकी फोटो ग्राफी कराई जाएगी। जिससे सभी उसके बहकावे मे आकर मैच देखने आ गए थे। सभी का टिकट महिला ने ही करवाया था। मैच शुरू होने से पहले सभी छात्रों को लेकर महिला स्टेडियम के अंदर आ गई थी। सभी वेस्टर्न स्टैंड में तीसरे फ्लोर पर बैठ गए थे।

मैच शुरू होने के करीब दो घंटे बाद अचानक महिला के साथ आने वाले छात्रों ने खड़े होकर केजरीवाल के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी। महिला के उकसावे में आकर छात्रों ने दिल्ली का राज केजरीवाल, भारत माता की जय, अरविंद केजरीवाल जिंदाबाद और जीतेगी दिल्ली जीतेगा केजरीवाल आदि के नारे लगाए। इससे दर्शकों में नाराजगी देखी गई। पुलिस ने किसी तरह के झगड़े से पहले ही नारेबाजी करने वाले छात्रों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस को आते देख महिला मौके से भागने में सफल हो गईं। पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है। उनकी तलाश की जा रही है।

अमित शाह के फेक वीडियो बनवाने और साजिश में शामिल कांग्रेस नेताओं की हुई पहचान, कभी भी गिरफ्तार कर सकती है दिल्ली पुलिस

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने वीडियो बनवाने व साजिश में शामिल कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं की पहचान कर ली है। दिल्ली पुलिस अब तेलंगाना में चुनाव से पहले अथवा चुनाव के तुरंत बाद उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। दिल्ली पुलिस की एक टीम हैदराबाद में डेरा डाले हुए है।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने वीडियो बनवाने व साजिश में शामिल कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं की पहचान कर ली है। दिल्ली पुलिस अब तेलंगाना में चुनाव से पहले अथवा चुनाव के तुरंत बाद उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए तेलंगाना कांग्रेस की इंटरनेट मीडिया टीम के राष्ट्रीय समन्वयक अरुण बी रेड्डी के मोबाइल व लैपटॉप की जांच उससे लंबी पूछताछ में दिल्ली पुलिस को काफी सुबूत मिल चुके हैं। पुलिस को शक है कि इसी ने फेक वीडियो बनाया था। एफएसएल की रिपोर्ट आने पर इसकी पुष्टि हो जाएगी।

दिल्ली पुलिस की टीम हैदराबाद में मौजूद

दिल्ली पुलिस की 10 सदस्यीय दो टीम बीते 28 अप्रैल से हैदराबाद में ही डेरा डाले हुए है। पुलिस वहां कई बार कांग्रेस कार्यालय जाकर जांच पड़ताल कर चुकी है। वहां मौजूद नेताओं व अन्य से पूछताछ कर चुकी है। माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस इस मामले में पर्याप्त सुबूत जुटा चुकी है।

सोसाइटी में मल मिला पानी हो रहा सप्लाई, 10 दिन में 762 लोग बीमार; नमूने भी हुए फेल

इंदिरापुरम की साया गोल्ड एवेन्यू सोसाइटी में लिए गए पानी के 15 नमूनों में से आठ फेल हो गए हैं। उनमें फीकल कंटामिनेशन यानी मल मिला पाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम के सर्वे में आया है कि 10 दिन में 762 लोग बीमार हो चुके हैं। 17 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उनमें से 13 का अब भी उपचार चल रहा है।

गाजियाबाद। इंदिरापुरम की साया गोल्ड एवेन्यू सोसाइटी में लिए गए पानी के 15 नमूनों में से आठ फेल हो गए हैं। उनमें फीकल कंटामिनेशन यानी मल मिला पाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम के सर्वे में आया है कि 10 दिन में 762 लोग बीमार हो चुके हैं। 17 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उनमें से 13 का अब भी उपचार चल रहा है। स्थिति गंभीर होने के कारण स्वास्थ्य विभाग की दो-दो सदस्यीय 22 टीमें सोसाइटी में लगाई गई हैं। बीमार लोगों में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक हैं। लोगों के बीमार होने पर सोसाइटी के रहवासियों ने हंगामा किया था। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची थी और पानी के सैंपल लिए थे। शुरुआत में लोगों को पता नहीं चला कि आखिर लोग बीमार क्यों हो रहे हैं, लेकिन बाद में जब जानकारी की गई तो पता चला कि दूषित पानी पीने से सोसाइटी में लोग बीमार हो रहे हैं। लोग इसके विरोध में सोसाइटी करने लगे। काफी संख्या में लोग दवा ले रहे हैं। लोगों ने बताया कि बच्चों को उल्टी-दस्त, पेट में दर्द सहित अन्य दिक्कत हो रही है। सोसाइटी में 1500 से ज्यादा फ्लैट हैं। बिल्डर इसका मेंटेनेंस देखता है।

रात में 11:45 बजे हुई थी टाटा प्रवेश के बिजनेस हेड की हत्या, दिल्ली के बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम!

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा प्रवेश के बिजनेस हेड विनय त्यागी की हत्या मामले में नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अभी तक की जांच में पुलिस के हाथ कुछ अहम सुराग लगे हैं। पता चला है कि बदमाश ने वारदात को अंजाम देकर दिल्ली–वजीराबाद रोड का इस्तेमाल किया है। पुलिस ने आशंका जताई है कि इस हत्या को दिल्ली के बदमाशों ने अंजाम दिया था।

साहिबाबाद। टाटा स्टील की सहयोगी कंपनी टाटा प्रवेश के बिजनेस हेड विनय त्यागी की हत्या शुक्रवार रात में करीब 11:45 बजे लूट के लिए हुई थी। दिल्ली के बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था। बदमाश नई स्प्लेंडर या पैशन बाइक से दिल्ली भागे थे। इस संबंध में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं।

दिल्ली जाने वाले मार्गों के CCTV खंगाल रही पुलिस

पुलिस के सूत्रों की मानें तो अब घटना स्थल से दिल्ली जाने वाले मार्गों पर पूरा फोकस है। इन मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। कुछ अहम साक्ष्य मिले हैं। पता चला है कि बदमाश ने वारदात को अंजाम देकर दिल्ली-वजीराबाद रोड का इस्तेमाल किया है।

पुलिस ने मृतक और उनके परिचितों के मोबाइल नंबर खंगाले

भोपुरा के बाद से वह सीमापुरी, दिल्ली में प्रवेश कर गए हैं। उसके बाद शाहदरा की ओर गए हैं। वहां तक गाजियाबाद पुलिस छानबीन करते हुए पहुंच गई है। रात होने के वजह से बदमाशों के बाइक का नंबर नहीं मिल पाया है। पुलिस ने मृतक और उनके परिचितों के मोबाइल नंबरों का विवरण खंगाला है।

किसी भी नंबर पर कोई आपत्तिजनक संदेश या बातचीत का साक्ष्य नहीं मिला है। पुलिस अब घटना स्थल के आसपास वारदात के समय सक्रिय संदिग्ध नंबरों का डाटा निकलवा रही है। जांच में नई जानकारी यह निकल कर आई है कि तीन के बजाय चार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था। अपराध शाखा समेत 10 टीमें लगी हैं। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं। संदिग्ध नंबरों का डाटा भी खंगाला जा रहा है।

- निमिष पाटील, पुलिस उपायुक्त, ट्रांस हिंडन।

सोसायटी के बाहर फास्ट फूड की दुकानों में लगी आग, कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया काबू

आग लगने से एक दुकान में रखे गैस सिलेंडर में भी आग लग गई। सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया लेकिन तब तक दुकानें जलकर राख हो चुकी थीं। सिलेंडर फट न जाए इसके चलते आग बुझाने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है। गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-75 स्थित गोल्फ सिटी के निकट फास्ट फूड की अस्थायी दुकानों में मंगलवार सुबह अचानक आ लग गई। आग लगने से एक दुकान में रखे गैस सिलेंडर में भी आग लग गई। सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दुकानें जलकर राख हो चुकी थीं।

मंगलवार सुबह 8 बजे लगी दुकानों में आग

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-75 में गोल्फ सिटी सोसायटी के निकट बड़ी संख्या में अस्थायी दुकान हैं। इन दुकानों में अधिकतर दुकानें फास्ट फूड बेचने वाली हैं। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे दुकानों में आग लग गई है। स्थानीय लोगों ने आग लगने की सूचना दी और खुद ही आग पर काबू पाने लगे। सूचना पर दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। एक दुकान में रखे गैस सिलेंडर में भी आग लग गई।

रातों-रात करोड़पति बनने का सपना देखना पड़ा भारी, जब खुली हकीकत तो उड़ गए इंजीनियर के होश

नोएडा में साइबर अपराधियों ने एक इंजीनियर को शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद उससे 12 रुपये की धोखाधड़ी की गई। साइबर ठगों ने युवक को ऑनलाइन शेयर बाजार में निवेश करने से मोटी रकम कमाने का झांसा दिया था। वह नोएडा की रायपुर कॉलोनी में किराए पर कमरा लेकर रहता था।

नोएडा। कोतवाली एक्सप्रेसवे क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने एक इंजीनियर को शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर अपने जाल में फंसा लिया। धीरे-धीरे इंजीनियर साइबर अपराधियों को 12 लाख रुपया दे बैठा।

बाद में जब उसे यह पता चला कि वह साइबर ठगी का शिकार हुआ है, तो उसने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। बताया जाता है कि वह तेलंगाना प्रांत का रहने वाला था तथा नोएडा की रायपुर कॉलोनी में किराए पर कमरा लेकर रहता था।

नामी कंपनी में इंजीनियर के पद पर था कार्यरत

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सरिता मलिक ने बताया कि मूलरूप से तेलंगाना प्रांत का नगुला प्रगति राजू रायपुर गांव में किराए पर कमरा लेकर रहता था। वहां यहां पर एक नामी कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। उन्होंने बताया कि सोमवार रात उसने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है।

स्वजन का कहना है कि मृतक को साइबर अपराधियों ने अपने जाल में फंसाया। ऑनलाइन शेयर बाजार में निवेश करने से मोटी रकम का फायदा होने का झांसा दिया।

मृतक ने अपने पास रखी रकम तथा कुछ अन्य लोगों से लेकर करीब 12 लाख रुपया साइबर अपराधियों के कहे अनुसार उनके खाते में डाल दिया। बाद में जब उसे ठगी का एहसास हुआ तो उसने आत्महत्या कर लिया।

विधायक अमानतुल्लाह खान के बेटे की गुंडागर्दी, नोएडा में पेट्रोल पंप कर्मचारियों से की मारपीट

नोएडा के सेक्टर–95 स्थित पेट्रोल पंप पर दिल्ली से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के बेटे और उसके समर्थक ने कर्मचारियों से मारपीट की। इसके अलावा आरोप है कि कार में बैठे विधायक अमानतुल्लाह खान ने मैनेजर कक्ष में कर्मचारियों को धमकाया। वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने कहा कि इसका संज्ञान लेकर पंप संचालक से शिकायत लेकर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

नोएडा। कोतवाली फेज-वन क्षेत्र के सेक्टर-95 स्थित पेट्रोल पंप पर दिल्ली से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के पुत्र और उसके समर्थक द्वारा गुंडागर्दी का मामला सामने आया है।

पेट्रोल पंप संचालक विनोद कुमार सिंह का आरोप है कि विधायक के पुत्र व समर्थकों के साथ मंगलवार सुबह पंप पर आए और पहले ईंधन लेने को लेकर कहासुनी करने लगे।

अमानतुल्लाह खान ने कर्मचारियों को धमकाया

जब उनसे लाइन में आकर ईंधन लेने को कहा तो समर्थकों ने कर्मचारियों के साथ मारपीट की। समर्थकों ने कार में रखे औजारों से हमला किया। वहीं आरोप है कि कार में बैठे विधायक अमानतुल्लाह खान ने मैनेजर कक्ष में कर्मचारियों को धमकाया।

वीडियो में गनर के साथ अमानतुल्लाह खान दिखाई दे रहे हैं। डीसीपी नोएडा विद्या सागर मिश्र का कहना है कि वीडियो पर संज्ञान लेकर पंप संचालक से शिकायत लेकर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस की दिशाहीनता एवं बढ़ता पलायन

ललित गर्ग

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है।

लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गई थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो- खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने 'नाइंसाफी' के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय-क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है।

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। उसका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इन्कार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गईं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति इरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति इरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है?

राहुल गांधी का दो-दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दर्शाता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिए ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं।

> “ राहुल गांधी का दो–दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दर्शाता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं।

इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं?

भले ही राहुल गांधी चुनाव प्रचार के दौरान बेहद आक्रामक दिख रहे हों, लेकिन वह अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश नहीं भर पा रहे हैं। इसका एक कारण गठबंधन के नाम पर अपने पुराने मजबूत गढ़ों में भी अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। यह कांग्रेस ही लगातार कमजोर होती राजनीति ही है कि वह जीत की संभावना वाली सीटों को भी महागठबंधन के अन्य दलों को दे रही है। ऐसे ही निर्णयों के चलते कांग्रेसजनों के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से समझौता करने से पार्टी को क्या हासिल होने वाला है? इस बार गांधी परिवार दिल्ली में उस आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को बोट देगा, जिसने उसे रसातल में पहुंचाया। इस तरह के मामले केवल यही नहीं बताते कि कांग्रेस उपयुक्त प्रत्याशियों का चयन करने में नाकाम है, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उसके पास अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने और अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करने की कोई ठोस रणनीति नहीं है।

कांग्रेस की नीति एवं नियत भी संदेह के घेरों में हैं। क्या कारण है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का 'शहजादा' भारत का प्रधानमंत्री बने। दुश्मन राष्ट्र के नेता अगर किसी व्यक्ति या नेता के प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हैं तो निश्चित ही उस देश का हित जुड़ा होता है। पड़ोसी देश भले ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो लेकिन भारत की जनता अपने हितों की रक्षा करते हुए विवेकपूर्ण मतदान के लिये तत्पर है। भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। नए भारत के 'सर्जिकल और एयर स्ट्राइक' ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की है, उसी का परिणाम है कि जिसने 500 वर्षों तक पीढ़ियों के संघर्ष के बाद बने प्रभु श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह एवं मन्दिर से कांग्रेस दूरी बनाये रखी है। जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के निर्णय का भी विरोध किया है, जबकि अब वहां आतंकवाद खत्म होकर शांति, अमन एवं विकास की गंगा प्रवहमान है। जनता ही नहीं, कांग्रेस के नेता भी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की इन विसंगतियों एवं विडम्बनाओं को समझ रहे हैं और पार्टी से पलायन कर रहे हैं। मुगलों व अंग्रेजों की भाषा बोल रहे व हिंदू जनमानस व हिंदू संस्कृति के विरुद्ध जहर उगल रहे राहुल गांधी को पिछले दो लोकसभा चुनाव की तरह आगामी लोकसभा चुनाव में जनता क्या जबाव देती, यह भविष्य के गर्भ में हैं।

पहले से ज्यादा सुरक्षित हुई मारुति ब्रीजा सीएनजी, जुड़े नए सेफ्टी फीचर्स, जानें डिटेल

देश की प्रमुख वाहन निर्माता मारुति सुजुकी की ओर से कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में Brezza को CNG के साथ ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस एसयूवी के सीएनजी वेरिएंट को पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाया गया है। कंपनी की ओर से किस तरह के सेफ्टी फीचर्स को सीएनजी वेरिएंट में दिया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मारुति सुजुकी की ओर से अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी Brezza के CNG वर्जन को ज्यादा सुरक्षित बनाया गया है। कंपनी की ओर से इसके सीएनजी वेरिएंट्स में कुछ नए सेफ्टी फीचर्स को स्टैंडर्ड तौर पर ऑफर किया गया है। ये फीचर्स कौन से हैं और अब इसकी क्या कीमत होगी। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

Maruti Brezza CNG में मिले ये सेफ्टी फीचर्स

मारुति सुजुकी की ओर से भारतीय बाजार में ऑफर की जाने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी Brezza को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। कंपनी की इस एसयूवी को पेट्रोल और CNG के विकल्प के साथ ऑफर किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब सीएनजी वेरिएंट्स को भी पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाया गया है। कंपनी ने इस एसयूवी के सीएनजी वेरिएंट्स में दो नए सेफ्टी फीचर्स को भी शामिल कर दिया है।

कौन से सेफ्टी फीचर्स हुए शामिल

जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से Brezza CNG में इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम और हिल होल्ड असिस्ट जैसे फीचर्स को स्टैंडर्ड तौर पर शामिल किया है। अभी तक इन दोनों सेफ्टी फीचर्स को एसयूवी के सिर्फ पेट्रोल वेरिएंट्स में ही ऑफर किया जाता था, लेकिन अब इनको सीएनजी वेरिएंट्स में भी शामिल कर दिया गया है।

कितना दमदार इंजन

मारुति ब्रेजा के सीएनजी वेरिएंट में कंपनी 1462 सीसी का के15सी इंजन उपयोग करती है। जिससे एसयूवी को सीएनजी मोड में 87.8 पीएस की पावर और 121.5 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसमें पांच स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन को ही दिया जाता है। इंजन इंजन से एसयूवी को एक किलोग्राम सीएनजी में 25.51 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है।

कितनी है कीमत

मारुति ने ब्रेजा के सीएनजी वेरिएंट्स में दो नए सेफ्टी फीचर्स को शामिल किया है। लेकिन कंपनी की ओर से इसकी कीमतों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। ब्रेजा सीएनजी को 9.29 लाख रुपये की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत पर ही खरीदा जा सकता है। इसमें कंपनी LXI, VXI, ZXI के साथ ही ZXI ड्यूल टोन को भी ऑफर करती है।

वित्त वर्ष 2024 में बढ़ी इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री, F.A.D.A ने पेश किए आंकड़े

इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों की कुल बिक्री वित्त वर्ष 2023 में 47551 यूनिट की तुलना में 2023-24 में बढ़कर 90996 यूनिट हो गई जिसमें 91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। टाटा मोटर्स ने 64217 यूनिट के पंजीकरण के साथ इस क्षेत्र का नेतृत्व किया जो 2022-23 वित्तीय वर्ष में 38728 यूनिट से 66 प्रतिशत अधिक है। आइए आंकड़ो के बारे में जान लेते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। समय के साथ लोग EV अपनाने पर जोर दे रहे हैं। ऑटोमोटिव डीलरों के संगठन FADA के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की रिटेल सेल में बढ़ोतरी देखी गई है। फाडा ने इसको लेकर आंकड़े जारी किए हैं।

इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों की बढ़ी सेल

इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों की कुल बिक्री वित्त वर्ष 2023 में 47,551 यूनिट की तुलना में 2023-24 में बढ़कर 90,996 यूनिट हो गई, जिसमें 91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। टाटा मोटर्स ने 64,217 यूनिट के पंजीकरण के साथ इस क्षेत्र का नेतृत्व किया, जो 2022-23 वित्तीय वर्ष में 38,728 यूनिट से 66 प्रतिशत अधिक है।

टू-व्हीलर EV सेल में भी बढ़ोतरी

वित्तीय वर्ष 2023-24 में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण 30 प्रतिशत बढ़कर 9,47,087 यूनिट हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 7,28,205 यूनिट था। ओला इलेक्ट्रिक 3,29,237 यूनिट की रिटेल सेल के साथ इस क्षेत्र में सबसे आगे रही, इसके बाद टीवीएस मोटर कंपनी 1,82,969 यूनिट के पंजीकरण के साथ दूसरे स्थान पर रही।

इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर का रहा ये हाल

पिछले वित्त वर्ष में इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर की खुदरा बिक्री 56 प्रतिशत बढ़कर 6,32,636 यूनिट हो गई, जो वित्त वर्ष 2023 में 4,04,430 यूनिट थी। महिंद्रा ग्रुप ने पिछले वित्तीय वर्ष में 60,618 यूनिट की खुदरा बिक्री की, जो कि 2022-23 वित्तीय वर्ष में 35,916 यूनिट से 69 प्रतिशत अधिक है।

इसी तरह, इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 8,571 यूनिट हो गई, जबकि 2022-23 वित्तीय वर्ष में यह 3,111 यूनिट थी, जो 2022-23 वित्तीय वर्ष की तुलना में तीन गुना अधिक है। टाटा मोटर्स ने FY24 में 5,590 यूनिट सेल की हैं, उसके बाद JBM Auto ने 530 यूनिट को रजिस्टर किया है।

मारुति और टोयोटा को चुनौती देने हुंडई कर रही हाइब्रिड कार की तैयारी, जानें कब तक होगी पेश

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai भारतीय बाजार में कई बेहतरीन वाहनों को ऑफर करती है। लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी अब Hybrid Cars को लाने की तैयारी कर रही है। हुंडई की ओर से कब तक हाइब्रिड तकनीक वाली कारों को पेश किया जा सकता है। किन कारों में सबसे पहले इस तकनीक को दिया जा सकता है। आइए जानते हैं।

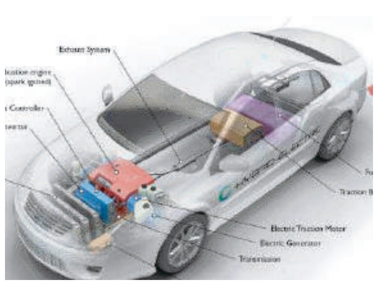

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल साउथ कोरियाई कंपनी Hyundai की ओर से जल्द ही Hybrid तकनीक वाली कारों को लाने की तैयारी की जा रही है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि मारुति और टोयोटा को कड़ी चुनौती देने के लिए हुंडई की ओर से कब तक हाइब्रिड तकनीक वाली कारों को पेश किया जा सकता है।

Hyundai लाएगी Hybrid Cars

हुंडई की ओर से भी हाइब्रिड तकनीक वाली कारों को भारतीय बाजार में पेश करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष यूइसुन चुंग ने भारतीय कर्मचारियों से कहा है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ ही हाइब्रिड तकनीक वाली कारें भी पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा होंगी।

दुनियाभर में बढ़ रही मांग

भारत के साथ ही दुनियाभर के कई देशों में हाइब्रिड तकनीक वाली कारों की मांग में बढ़ोतरी हो रही है। जिसे देखते हुए हुंडई भी इलेक्ट्रिक कारों के साथ ही अपने पोर्टफोलियो में हाइब्रिड तकनीक वाली कारों को लाने के प्रति गंभीर है। यह योजना कंपनी की इलेक्ट्रिक कारों की योजना से अलग है।

वित्त वर्ष 2023 में रही हाइब्रिड वाहनों की मांग

बीते वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में भी हाइब्रिड तकनीक वाले वाहनों की मांग में बढ़ोतरी हुई। देशभर में करीब 85 से 90 हजार के आस-पास इस तकनीक वाली कारों की बिक्री हुई। जो कुल बिक्री का दो फीसदी है। वहीं कुछ और कारों को इस साल में लाने की तैयारी की जा रही है।

किसे मिलेगी चुनौती

भारतीय बाजार में फिलहाल मारुति और टोयोटा (Toyota Cars) की ओर से हाइब्रिड तकनीक वाले वाहनों की बिक्री की जाती है। दोनों कंपनियां अपने पोर्टफोलियो की कई कारों को इस साल भी हाइब्रिड तकनीक के साथ लाने की तैयारी कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक मारुति (Maruti Suzuki) की ओर से हाइब्रिड तकनीक वाली कारों के लिए 2031 तक 7.5 लाख यूनिट्स की बिक्री का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में हुंडई की ओर से भी अगर इस तकनीक वाली कारों को लाया जाता है तो सीधे तौर पर मारुति और टोयोटा को चुनौती मिलेगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हुंडई मोटर ग्रुप की ओर से पहली हाइब्रिड कार को साल 2026 तक पेश किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी की ओर से हाइब्रिड तकनीक पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया जा रहा है और हुंडई के साथ किआ भी हाइब्रिड स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन को लाने की तैयारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक क्रेटा, अल्काजार, वरना और टक्सन जैसे वाहनों को 2026-27 तक हाइब्रिड तकनीक के साथ भारत में (Hybrid Cars in India) लाया जा सकता है। इससे पहले कंपनी की ओर से इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर 2025 तक क्रेटा को पेश किया

पुडुचेरी में रेड लाइट पर गर्मी से बचाने का अनोखा तरीका, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल; हो रही तारीफ

परिवहन विशेष न्यूज

गर्मियों में दो पहिया वाहन पर सफर करते हुए सवारों को तेज धूप का सामना करना पड़ता है। लेकिन दक्षिण भारत के राज्य पुडुचेरी में इसका अनोखा तरीका निकाला गया है। जिस तरीके की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ भी हो रही है। राज्य में किस तरह से दो पहिया वाहन सवारों को गर्मी से राहत दी जा रही है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। तेज गर्मी के बीच रेड लाइट पर दो पहिया वाहन सवारों को राहत दिलाने के लिए दक्षिण भारत के केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में खास तरीके को अपनाया गया है, जिसकी सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। यह तरीका क्या है और कितना कारगर है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

तेज धूप से हो रही परेशानी

मई की शुरूआत हो चुकी है और पूरे भारत में काफी तेज गर्मी पड़ रही है। तेज धूप में दो पहिया वाहन पर सफर करना भी काफी मुश्किल होता है और यह मुश्किल तब और बढ़ जाती है जब दो पहिया वाहन को रेड लाइट पर रोकना पड़ता है। रेड लाइट पर कुछ समय के लिए खड़े होने के कारण दो पहिया वाहन सवार को तेज धूप लगती है, जिससे परेशानी होती है।

पुडुचेरी ने निकाला अनोखा तरीका

केंद्र शासित प्रदेश में लोगों को सीधी धूप से बचाने के लिए PWD, Puducherry ने एक अनोखा तरीका निकाला है। पीडब्ल्यूडी विभाग ने शहर की सभी रेड लाइट्स पर हरे पर्दे को लगाया है। जिससे दो पहिया वाहन सवारों को रेड लाइट पर इंतजार करते हुए सीधी धूप न लगे। रेड लाइट पर लगाए गए हरे पर्दों के कारण लोगों को काफी राहत भी मिल रही है और सके वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

सोशल मीडिया पर हुई तारीफ

पुडुचेरी के पीडब्ल्यूडी विभाग की इस पहल को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है। कुछ बाइकर्स ने रेड लाइट पर लगाए गए हरे पर्दे की वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जिसके बाद से ही लोग प्रशासन के इस कदम की तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद बड़ी संख्या में लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि इससे राहत भी मिलेगी और लोग रेड लाइट को भी पार नहीं करेंगे। वहीं कुछ लोग अन्य शहरों की पीडब्ल्यूडी से भी इस तरह की पहल को शुरू करने की मांग कर रहे हैं।

सोना क्यों बन रहा है पहली पसंद

डा. अश्विनी महाजन
कालेज एसोशिएट प्रोफेसर

गौरतलब है कि गहनों के रूप में सोने की मांग पहले के मुकाबले में लगातार घटती जा रही है, जबकि निवेश के रूप में सोने की मांग लगातार बढ़ रही है। इस बीच पिछले सालों में केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद में अभूतपूर्व वृद्धि ने दुनिया में सोने की मांग बढ़ा दी है। यदि सोने के भाव की बात करें तो पिछले दो-तीन वर्षों में सोने की कीमत में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है

पहले विश्व युद्ध के बाद से अब तक दुनिया में डॉलर का महत्त्व लगातार बढ़ता रहा है। जब अमरीका के सहयोगी देश सामान के बदले सोना देने लगे, तो ऐसे में संयुक्त राज्य अमरीका आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार बन गया। युद्ध के बाद अनेकों देशों ने अपनी करंसियों को डॉलर के साथ जोड़ा और इसके साथ ही दुनिया में गोल्ड स्टैंडर्ड समाप्त हो गया और डॉलर दुनिया की सबसे पसंदीदा करंसी बन गई। सभी देशों ने अपनी विदेशी मुद्रा भंडारों को डॉलर के रूप में रखना शुरू कर दिया, और ऐसे में वर्ष 1999 तक दुनिया के कुल विदेशी मुद्रा भंडारों में डॉलर का हिस्सा 71 प्रतिशत तक बढ़ गया। 1999 में यूरोप साझा करंसी यूरो का प्रादुर्भाव हुआ और अब अधिकांश यूरोपीय देशों ने डॉलर के बदले यूरो रखना शुरू कर दिया। इसके चलते रिजर्व करंसी के नाते डॉलर का हिस्सा घटने लगा और वर्ष 2021 तक यह घटकर 59 प्रतिशत रह गया था। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार डॉलर का वैश्विक रिजर्व करंसी के रूप में हिस्सा 2010 में 62 प्रतिशत, 2015 में 65.73 प्रतिशत, 2020 में 59 प्रतिशत और 2023 में 58.41 प्रतिशत रह गया। समझना होगा कि उतार-चढ़ाव के साथ वर्ष 1999 से डॉलर का महत्त्व अंतरराष्ट्रीय रिजर्व करंसी के नाते लगातार घटता रहा है। लेकिन महत्त्वपूर्ण बात यह है कि चाहे डॉलर का महत्त्व घटता गया हो, लेकिन डॉलर अभी भी दुनिया की सबसे अधिक पसंदीदा करंसी बना हुआ है। उसके मुकाबले दूसरे स्थान पर यूरो का हिस्सा अभी भी 20 प्रतिशत के आसपास ही है और बाकी कोई भी करंसी उसके नजदीक भी नहीं है। आज भी दुनिया के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय लेन-देन डॉलर में होते हैं।

इस कारण से डॉलर लंबे समय से कभी भी खास कमजोर नहीं हुआ। भारतीय रुपए के संदर्भ में देखें तो 1964 में जहां एक डॉलर 4.66 रुपए के बराबर था, वो अब बढक़र 83.4 रुपए तक पहुंच चुका है। अन्य करंसियों की तुलना में भी यह काफी मजबूत रहा है। लेकिन कुछ समय से दुनिया के देशों में वि.डॉलरीकरण के संकेत मिल रहे हैं। डॉलर के लगातार मजबूत होने के कारण लगभग सभी देशों, खासतौर पर विकासशील देशों को खासा नुकसान होता रहा है। भारत की यदि बात करें तो पिछले कुछ समय से भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक अंतरराष्ट्रीय भुगतानों में रुपए की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। लगभग 20 देशों के साथ इस बाबत सहमति भी बनी है। उधर अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल और खासतौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अमरीका और यूरोपीय देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के चलते अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में कठिनाई के कारण, दूसरे देशों में भी स्थानीय करंसियों में भुगतान के प्रयास तेज हो गए हैं। दुनिया में डॉलर के प्रति विमुखता इस कारण से भी बढ़ी है, क्योंकि अमरीका ने रूस को आक्रमणकारी बताते हुए उसके तमाम डॉलर रिजर्व को जब्त कर लिया है। ऐसे में दूसरे मुल्कों में यह भय व्याप्त हो गया है कि देर-सवेर अमरीका ऐसी कार्रवाई उन पर भी कर सकता है। ऐसे में उन मुल्कों पर रूस जैसी भुगतान की समस्या आ सकती है। ऐसे में दुनिया के मुल्क दो तरफा प्रयास कर रहे हैं। एक, स्थानीय करंसियों में भुगतान तो दूसरा डॉलर के स्थान पर सोने के भंडार में वृद्धि। भारत की यदि बात करें तो देखते हैं कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ते-बढ़ते अप्रैल के पहले सप्ताह तक 648.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया था।

लेकिन इस बीच में एक और महत्त्वपूर्ण बात जो दिखाई दी कि विदेशी मुद्रा भंडारों में सोने का भंडार 55.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें एक ही सप्ताह में 1.24 अरब डॉलर की वृद्धि हुई। बताया जा रहा है कि एक ही सप्ताह में सोने के भंडार में 6 टन वृद्धि हुई। पिछले साल की तुलना में भारत का स्वर्ण भंडार 13 टन ज्यादा है। दुनिया में आधिकारिक स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का स्थान 9वां है। भारतीय रिजर्व बैंक ने स्वर्ण भंडार की प्राथमिकता के बारे में आधिकारिक पुष्टि भी की है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में जहां विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों और अन्य संस्थाओं द्वारा 450.1 टन सोने की खरीद की गई, वो बढक़र 2022 में 1135.7 टन हो गई। वर्ष 2023 में केंद्रीय बैंकों ने 1037 टन सोने की खरीद की। गौरतलब है कि गहनों के रूप में सोने की मांग पहले के मुकाबले में लगातार घटती जा रही है, जबकि निवेश के रूप में सोने की मांग लगातार बढ़ रही है। इस बीच पिछले सालों में केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद में अभूतपूर्व वृद्धि ने दुनिया में सोने की मांग बढ़ा दी है। यदि सोने के भाव की बात करें तो पिछले दो-तीन वर्षों में सोने की कीमत में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 में सोने की औसत कीमत 1268.93 डॉलर प्रति ओंस थी, जो वर्ष 2024 में अभी तक 2126.82 डॉलर प्रति ओंस तक पहुंच चुकी है। यानी मात्र 6 वर्षों से भी कम समय में सोने की कीमत में 67.6 प्रतिशत की वृद्धि यानी लगभग 9.5 प्रतिशत वार्षिक की वृद्धि।

क्यों बढ़ रही है सोने की पसंद

यह बात सर्वथा सिद्ध हो रही है कि दुनिया में सोने की मांग बढ़ रही है, जिसके कारण उसकी कीमत भी लगातार बढ़ती जा रही है। वर्ष 1988 में सोने की कीमत 437 डॉलर प्रति आउंस थी, जो 2018 तक बढक़र 1268.93 तक पहुंची थी, यानी 30 सालों में 3.61 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि। लेकिन पिछले 6 सालों में सोने की कीमतें 9.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही हैं। ऐसे में दुनिया के आर्थिक विश्लेषक वैश्विक मौद्रिक एवं वित्तीय परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलावों की ओर इंगित कर रहे हैं। पहला कारण यह है कि संयुक्त राज्य अमरीका के केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर, जिसे फेड रेट भी कहते हैं, उसके घटने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं। ऐसे में चूंकि ब्याज दरें कम होने पर लोग वित्तीय परिसंपत्तियों के बजाय सोना खरीदने की ओर आकर्षित होंगे। ऐसे में यदि ब्याज दर गिरती है तो सोने की मांग बढ़ेगी।

दूसरा कारण यह बताया जा रहा है कि चीन समेत दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अब ज्यादा से ज्यादा सोना खरीद रहे हैं। इस प्रवृत्ति के थमने की कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही। तीसरा दुनिया भर में सोने की कीमतों में वृद्धि की अपेक्षा की जा रही है। ऐसे में केंद्रीय बैंकों द्वारा ज्यादा सोना खरीदने की संभावनाएं और भी बढ़ रही हैं, क्योंकि यदि केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडारों में सोने की मात्रा बढ़ाते है, तो बढ़ती सोने की कीमतों के साथ उनके विदेशी मुद्रा भंडार स्वयंमेव बढ़ जाएंगे। सोने की बढ़ती यह मांग, कई सवाल खड़े करती है, उसमें से सबसे अहम सवाल यह है कि क्या अब डॉलर का वर्चस्व समाप्त हो रहा है। एक दूसरा सवाल यह है कि क्या सोने का महत्व अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में भी बढने वाला है। क्या ऐसा होगा या नहीं, यह तो भविष्य के गर्भ में छुपा है, लेकिन यह स्पष्ट है कि विश्व वि.डॉलरीकरण की ओर बढ़ रहा है तथा उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के साथ देश अपने विदेशी व्यापार को अपनी घरेलू मुद्राओं में निपटाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में डॉलर के विकल्प में सर्वाधिक प्राथमिकता सोने को दी जा सकती है। दुनिया के कई देश अमरीका द्वारा उनके विदेशी भंडारों के जब्त होने के अंदेशे से भी आशंकित हैं, क्योंकि रुस के साथ अमरीका ऐसा कर चुका है। भारत और चीन सहित दुनिया में सोने की मांग बढने का यह भी एक मुख्य कारण बन रहा है।

संपादक की कलम से

राम शरणम्पीएम

आम चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या गए। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में जाकर 'आराध्य' के दर्शन किए, आरती उतारी, परिक्रमा की और फिर आम आराधक की तरह साष्टांग प्रणाम भी किया। एक बार फिर अयोध्या के एक हिस्से को सजाया गया। असंख्य लोगों ने प्रधानमंत्री पर पुष्प-वर्षा की। उनके प्रति समर्पण और समर्थन जताया। नृत्य के जरिए भी प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया। मुस्लिम घरों ने भी उन्हें फूलों की मालाएं पहनाईं और गदगद होकर स्वागत किया। यह प्रायोजित भी हो सकता है, लेकिन राजनीति और सार्वजनिक जीवन में यह भी जायज है। एक बार फिर अयोध्या का मुद्दा उभारा गया। यह आयोजन भी प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की चुनावी रणनीति का हिस्सा निश्चित रूप से था और उस पर सवाल नहीं किया जा सकता। प्रभु श्रीराम और सनातन औसत हिंदुओं की आस्था हैं। प्रभु का स्मरण और पूजा-पाठ का धर्म भी हमारी सांस्कृतिक चेतना है। जितना जरूरी चुनाव और विकास है, उनसे कहीं अधिक प्रभु राम हैं। राम सनातन संस्कृति के प्रतीक-चेहरों में एक हैं। अयोध्या उनकी जन्मस्थली है। अयोध्या 'अपराजेय' है। अयोध्या में इक्ष्वाकु और रघुकुल के इतिहास जिंदा हैं। चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री राम मंदिर में गए, शानदार जनसमर्थन से लबालब रोड शो के जरिए आम आदमी से जुड़े, मतदाताओं का अभिनंदन करते रहे, क्योंकि राष्ट्रीय लक्ष्य सामने था। प्रधानमंत्री मोदी देश को सांप्रदायिक तुष्टिकरण में झोंकने के घोर विरोधी हैं, लिहाजा देश और संस्कृति के अस्तित्व के लिए जनादेश मांग रहे हैं। अयोध्या का आयोजन 'राम लला' तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यहां से राम-लहर का प्रारंभ हो सकता है। गौरतलब है कि 7 मई को 93 लोकसभा सीटों पर तीसरे चरण का मतदान होना है। उप्र की 10 सीटें भी उनमें शामिल हैं। अभी तक उप्र की 16 सीटों पर ही मतदान हुआ है। अब दिवंगत नेताओं-मुलायम सिंह यादव और कल्याण सिंह-के गढ़ कहे जाने वाले चुनाव-क्षेत्रों में भी मतदान होना है।

प्रधानमंत्री ने राम मंदिर में आराधना कर स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वह बुनियादी और आत्मिक तौर पर 'हिंदूवादी' हैं, लेकिन राम दरबार वाले अंचल में 'समरसतावादी' भी हैं। प्रभु श्रीराम की सबसे सार्थक और सकारात्मक सीख यही है। इतिहास और दुनिया जानती है कि राम मंदिर पर मुलायम सिंह की सियासत क्या थी और कल्याण सिंह आत्मा से कितने 'रामसेवक' थे! इस राजनीतिक संदेश का लाभ भाजपा को जरूर मिलेगा। अयोध्या आगमन का असर आसपास के चुनाव क्षेत्रों पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि पूरे पूर्वांचल में व्याप्त होगा। उसकी परिधि में प्रधानमंत्री का चुनाव क्षेत्र वाराणसी भी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मठ शहर गोरखपुर भी आते हैं। वैसे अयोध्या में मतदान 20 मई को है, लेकिन राम नाम की लहर यहां से शुरू हो सकती है। जो अभी तक राम मंदिर को 'ठंडा मुद्दा' मान रहे थे और यथार्थ भी कुछ ऐसा ही लगता था, अब उनका विचार भंग हो सकता है। पूर्वाग्रह टूट सकते हैं, मोहभंग भी हो सकते हैं और वे यह स्वीकार करने को बाध्य हो सकते हैं कि बेरोजगारी, महंगाई, किसानी, महिला अपराध, आरक्षण के साथ-साथ राम मंदिर भी एक सशक्त चुनावी मुद्दा है, क्योंकि यह 100 करोड़ से अधिक हिंदुओं की आस्था और संस्कृति से जुड़ा है।

कांग्रेस भी इस मुद्दे पर चिंतित होगी और मंथन कर रही होगी, क्योंकि उसके सैकड़ों नेता और हजारों कार्यकर्ता राम मंदिर पर पार्टी के नकारात्मक रुख के कारण पार्टी छोड़ कर चले गए हैं। ताजातरीन मामला कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा का है, जो करीब 22 साल तक पार्टी में रहीं, लेकिन राम मंदिर का विरोध करने पर इस्तीफा देकर चली गईं। अयोध्या का राम मंदिर सिर्फ धार्मिक मुद्दा ही नहीं है, उससे अयोध्या और उप्र की सकल अर्थव्यवस्था भी जुड़ी है। अयोध्या एक खूबसूरत शहर के तौर पर उभर रहा है।

राय

और कितने 'परौर'

हम इसे पर्यटन का 'पीक' कहें या मानें कि भीड़ कभी सैलानी नहीं होती। पिछले कुछ दिनों से कांगड़ा में पर्यटन राजधानी का शुमार सडक़ों पर देखा जा रहा है। जो दैनिक कार्यों के लिए सडक़ से हो कर गुजरते होंगे, उन्हें मालूम हो गया कि सैलानी अगर गाडियों की गिनती या महासमागमों की बस्ती हैं, तो एक ही दिन की आफत में कितनी सदियां गुजर गईं। परौर में राधास्वामी सत्संग की ट्रैफिक व्यवस्था करने में छक्के छूट जाते हैं। पसीना-पसीना पुलिस करे भी तो क्या करे। पुलिस कोई पार्किंग मशीनरी नहीं कि कोई स्थायी खाका बना ले या सडक़ों की धूल में यातायात व्यवस्था की खाक छानती फिरे, फिर भी पर्यटन सीजन का सही मायने में कोई नायक है, तो यह सेहरा कांगड़ा पुलिस को जाता है। काश! कभी पर्यटन, सडक़ विस्तार और सरकार की योजनाएं पर्यटक सीजन की कतार में खड़ी होकर देखें कि हमें करना क्या है। इससे क्या फर्क पड़ता है कि एडबी बैंक के कार्यालय को धर्मशाला से स्थानांतरित करके पर्यटन में कैबिनेट प्राप्त आर एस बाली नगरोटा बगवां ले जाएं या कल जब सुबह हो तो हम एक नया सरकारी होटल खोल दें। कायदे से अगर होटल व्यवसाय का पर्यटन की भीड़ से कोई रिश्ता होता, तो परौर तक आ रहे लोग तमाम होटलों को खचाखच भर देते, मगर वे तो सडक़ों, जंगलों और यातायात को पूरी तरह भरने आए थे और आते रहेंगे। ताज्जुब यह भी कि पिछले चंद दिनों में पर्यटन के एक साथ कई दीप जले, मगर हमारे दीये में तेल है ही कितना। धर्मशाला में क्रिकेट का आई पी एल और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दौरा बेशक सम्मानित करता है और यह प्रमाणित करते हैं कि हिमाचल 'खुशामदीद' कहने की आदत डाल रहा है, लेकिन इस वसंत को हम चार दिन की चांदनी बना कर स्वयं ही नष्ट कर देंगे या पर्यटन को हमेशा पुलिस के हाथों में सौप देंगे, जबकि इसकी स्थायी व्यवस्था व प्रबंधन की जरूरत है और यही निकम्मापन हर धार्मिक स्थल पर पाजेब पहने हुए मिल जाएगा। मान लिया चंद दिन हमारा सामान्य जनजीवन पुलिस के हवाले भी चल सकेगा या वन वे के नाम पर पालमपुर की ओर से जनता चामुंडा होकर कांगड़ा निकल जाए, लेकिन ट्रैफिक जाम के मुहानों पर अड़ गई एंबुलेंस की गाड़ी को कैसे निकालोगे या भीड़ को वाहन चलाना कौन सिखाएगा। क्या हमारी पुलिस व्यवस्था केवल संकट में समाधान की वर्दी है या साल भर हमें ट्रैफिक व्यवस्था में नागरिक शिष्टाचार सिखाएगी। खुशखबरी यह है कि बड़े समागमों या वीआईपी मूवमेंट में भी जनता के बीच से निकले स्वयंसेवक कई जगह काम आ जाते हैं या वाहनों के चालक खुद ट्रैफिक पुलिस बन जाते हैं, वरना पर्यटक सीजन को लांघना हमारे लिए मुश्किल व पीड़ाजनक बनता जा रहा है। ऐसे में पर्यटन की संभावना को समझते व विकसित करते हुए यह अनुमान लगाएं कि हमारी छवि किसे बुला रही है। क्या हम कसोल या धर्मकोट की किसी पार्टी में पर्यटकों को बुला रहे हैं या खड्डों में नहाने के लिए कांगड़ा बाइपास का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्या हम धार्मिक समागमों, प्रवचनों या लंगरों में मुफ्त का खाना व रहने का लुत्फ उठा रहे लोगों के कारण पर्यटक सीजन की खिल्ली उड़ा रहे हैं। क्यों नहीं हम बड़े आश्रमों, डेरों व धार्मिक आकाओं को प्रेरित करते हैं कि वे ऑफ-सीजन में आकर तंबू लगाएं। पर्यटन की प्लानिंग में इसके दस्तूर को साल भर के पैमानों में भरने की कोशिश के साथ-साथ इसके भीड़ बनने से हिमाचल को बचाएं, वरना जिस दिन सरकार का दावा और सरकार का आंकड़ा पांच करोड़ सैलानी गिनकर पूरा हो गया, उस दिन प्रदेश में कितने ही परौर और कितने ही कसोल, आम बाशिंदों की जिंदगी को मुसीबत में डाल चुके होंगे।

भारत की कुर्बानियां भूल रहा बांग्लादेश

वीरभूमि हिमाचल के रणवांकुरों से सुसज्जित 'तीन डोगरा' बटालियन ने सन 1971 की जंग में बांग्लादेश के महाज पर चौड़ाग्राम व काठियाचोर तथा चटगांव क्षेत्रों की लड़ाई में पाक सेना को धूल चटाकर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था'

'ईस्ट पाकिस्तान की हरियाली को लाल रंग से रंग दिया जाएगा'। ये अल्फाज सन 1971 में पाक सेना द्वारा बांग्ला लोगों के सामूहिक कत्लेआम को अंजाम देने वाले सैन्य आपरेशन 'सर्च लाइट' का 'कोडवर्ड' थे। इन अल्फाज का जिक्र सर्च लाइट मंसूबे के मास्टरमाईंड व पाक सेना के मेजर 'राव फरमान अली' की डायरी में मौजूद था। सन 1971 की जंग में पाकिस्तान को तकसीम करके भारतीय सेना ने 93 हजार पाक सैनिकों सहित राव फरमान अली को भी युद्धबंदी बनाकर हिरासत में ले लिया था। जिस रफ्तार से भारत आलमी सतह पर आर्थिक महाशक्ति तथा सैन्य कुव्वत के तौर पर उभर रहा है। कई मुल्क भारत विरोधी हिकारत का शिकार हो रहे हैं।

हिंदोस्तान के फजल से वजूद में आया बांग्लादेश भी भारत विरोधी देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया है। हाल ही में मालदीव की तर्ज पर बांग्लादेश नेशलिस्ट पार्टी के रहनुमाओं ने इंडिया आउट का नारा देकर भारतीय उत्पादों के बहिष्कार की आवाज बुलंद की है। हांलाकि बांग्लादेश की वजीरे आजम मोहतरमा शेख हसीना ने 26 मार्च 2024 को अपने मुल्क के यौम ए तासीस के मौके पर हिंदोस्तान की मुखालफत करने वाले लोगों को तल्ख तेवर जरूर दिखाए थे मगर भारत के रहमो करम पर पलने वाले मुल्क बांग्लादेश में भारत विरोधी आवाज चिंताजनक है। दिसंबर 1971 से पहले बाग्लांदेश पूर्वी पाक के रूप में पाकिस्तान का हिस्सा था। पाकिस्तान के फौजी हुक्मरानों के जुल्मों सितम से परेशान हो चुकी बांग्ला आवाम अपने लिए एक आजाद मुल्क के तौर पर जीना चाहती थी। मगर पाक तानाशाह याहिया खान के आदेश पर पूर्वी पाक के सैन्य कमांडर 'टिक्का खान' ने बांग्ला आवाम की आजादी की आवाज को खामोश करने के लिए 25 मार्च 1971 को आपरेशन सर्च लाइट के तहत बांग्ला लोगों का नरसंहार करके बर्बरता की सारी हदें पार कर दी थीं। पाक सेना ने आधी रात को ढाका विश्वविद्यालय पर हमला करके सैकड़ों छात्रों व प्रोफेसरों का कत्ल कर दिया था।

आपरेशन सर्च लाइट में पाक सेना द्वारा कत्लोगारत की हकीकत को ब्रिटेन के अखबार 'संडे टाइम्स' में पत्रकार 'एंथनी मैस्करनेहास' ने अपने आर्टिकल के जरिए जब आलमी सतह पर पेश किया तो हलाकत के उस खौफनाक मंजर से आहत होकर अमरीका की टाइम मैगजीन ने टिक्का खान को 'बूचर ऑफ बांग्लादेश' कहा था। सन 1971 की जंग की वजह तथा पाकिस्तान का दो टुकड़ों में तब्दील होने का कारण टिक्का खान का जहालत भरा आपरेशन सर्च लाइट ही बना था। मगर पाकिस्तान के हुक्मरानों ने बांग्लादेश को रक्तरंजित करने वाले कुख्यात टिक्का खान को मार्च 1972 में पाक सेना का चार सितारा जरनैल बनाया था। मानवता को शर्मशार करने वाले आपरेशन सर्च लाइट की बर्बरता से बांग्ला लोगों को बचाने के लिए भारतीय सेना सरहदों की बंदिशों को तोडक़र पूर्वी पाकिस्तान में दाखिल हुई। वीरभूमि हिमाचल के रणवांकुरों से सुसज्जित 'तीन डोगरा' बटालियन ने सन 1971 की जंग में बांग्लादेश के महाज पर चौड़ाग्राम व काठियाचोर तथा चटगांव क्षेत्रों की लड़ाई में पाक सेना को धूल चटाकर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था।

डोगरा सैनिकों के जोरदार हमले व संगीनों से पाक फौज की हलाकत से बेबस होकर पाक सेना के ब्रिगेडियर 'एएमके मलिक' ने अपने ब्रिगेड के साथ तीन डोगरा बटालियन की एक कंपनी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। युद्ध में पाक सेना के मंसूबों को ध्वस्त करके दास्तान ए शुजात का परिचय देने वाले तीन डोगरा के मेजर 'अनूप सिंह गहलोत' को 'महावीर चक्र' (मरणोपरांत) तथा हवलदार 'रमेश कुमार' व 'खुशाल चंद' दोनों को 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) से अलंकृत किया गया था। पूर्वी पाक में जिल्लत भरी शिकस्त से बौखला कर जनरल 'नियाजी' के सलाहकार राव फरमान अली के इशारे पर पाक सेना ने 14 दिसंबर 1971 को बांग्ला लेखकों, डाक्टरों, रजाकारों, शिक्षकों, वकीलों तथा बुद्धिजीवी वर्ग के सैकड़ों लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। उस नरसंहार की याद में बांग्लादेश 14 दिसंबर को 'बुद्धिजीवी दिवस' के तौर पर मनाता है। ढाका में मौजूद 'शहीद बुद्धिजीवी स्मारक' पाक सेना द्वारा कत्लेआम की दास्तां को बयान करता है। पूर्वी पाक की आवाम ने अपने मुल्क की आजादी का एक मुद्दत से जो पुरनूर ख्वाब देखा था। उसे भारतीय सेना के 3845 जांबाजों ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर मुकम्मल किया था। युद्ध में बलिदान देने वाले 195 शूरवीरों का संबंध हिमाचल से था। भारतीय सेना ने पूर्वी पाक को आजाद कराकर नए मुल्क को बांग्ला जुबान के नाम पर बांग्लादेश बनाकर बांग्ला लोगों को ही सौंप दिया था।

अतः बांग्लादेश को भारतीय सैनिकों की कुर्बानियां याद रखनी होंगी। अंग्रेजों द्वारा बंगाल के विभाजन से आहत होकर अपने सूबे में एकता का माहौल कायम रखने के लिए 'रविंद्रनाथ टैगोर' ने सन 1906 में 'आमार सोनार बांग्ला' नामक गीत की रचना की थी। बांग्लादेश की हुकूमत ने आजादी के बाद सन 1972 में उस नगमें को अपना कौमी तराना तसलीम कर लिया था। आज चीन के इशारे पर बांग्लादेश के सियासतदान भारत का विरोध कर रहे हैं। लेकिन जब बांग्लादेश ने सन 1972 में 'संयुक्त राष्ट्र संघ' में सदस्यता के लिए आवेदन किया था तो चीन ने उस आवेदन पर 'वीटो' करके विरोध जता दिया था। पूर्वी पाक में सर्च लाइट मंसूबे के तहत ज्यों ही बांग्ला लोगों का कत्लेआम शुरू हुआ। भारतीय सेना ने सपुर्दे ढाका की तहकीकात शुरू कर दी थी। मगर पाकिस्तान की तारीख को शर्मशार करने वाला दिन 16 दिसंबर 1971 मुकर्रर हुआ था।

अलबत्ता भारतीय सेना पूर्वी पाक में दखलंदाजी न करती तो पाकिस्तान के सिपाहसालार टिक्का खान तथा राव फरमान अली का बांग्लादेश की हरियाली को लाल करने का मंसूबा 'सर्च लाईट' मुकम्मल हो जाता। यदि वर्तमान में बांग्लादेश महफूज है, वहां जम्हूरियत कायम है। बांग्लादेशी लोग अपने मुल्क का यौम ए तासीस पूरे जश्न से मनाते हैं, तो इस आजादी के लिए बांग्लादेश की आवाम को भारतीय सेना का मरहून ए मिन्नत रहना होगा।

प्रताप सिंह पटियाल

पीए सिद्धार्थ

गधे, गिद्ध और गोदी

रूस में अच्छे दिन गुजारने वाले गधे को वहां बुद्धिमत्ता का प्रतीक माना जाता है। लेकिन भारत में किसी आदमी के मूर्खतापूर्ण काम करने पर उसकी तुलना गधे से कर दी जाती है। हाल ही में बेचारा भारतीय गधा उस समय वैश्विक चर्चा में आ गया, जब गलाघोटदिया विश्वविद्यालय के छात्रों ने कांग्रेस पार्टी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन करते हुए अपनी बौद्धिकता का परिचय दिया। अब लोग भले इन छात्रों की तुलना गधों और इस विश्वविद्यालय की तुलना तबेले से कर रहे हैं, पर सुनने में आया है कि उनके इस प्रदर्शन से प्रभावित ऑक्सफोर्ड, हावर्ड जैसे विदेशी विश्वविद्यालय अपने छात्रों का आईक्यू बढ़ाने के लिए छात्र एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत उन्हें गलाघोटदिया विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए भेजने पर विचार कर रहे हैं। देश को आजकल आए दिन गर्व करने के जो मौके मिल रहे हैं, उसकी यह ताज़ातरीन मिसाल है। गधों का सौभाग्य है कि आज देश भर में उनकी तूती बोल रही है। गलाघोटदिया विश्वविद्यालय के छात्रों ने ऑन कैमरा अंग्रेज़ी में 'नक्सल को मैक्सवेल' और हिंदी में 'छीन लेंगे को छोड़ देंगे' पढ़ते हुए देश की शिक्षा व्यवस्था के उस स्तर को प्रमुखता से स्थापित कर दिया है, जिसके बल पर हमारे एंटायर नेता पूरे आत्मविश्वास से 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' को 'बेटी पटाओ बेटी बचाओ', पिलर को पीलर या सक को शक बोलते हैं। इसी एंटायर शिक्षा के सहारे हमारे एंटायर नेता गोबर से कोहिनूर, गौमूत्र से अमृत या नाले की गैस से चाय बनाते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी शिक्षा के स्तर में अगर इसी तरह बढ़ोतरी होती रही तो वह दिन दूर नहीं जब आईंस्टीन के मस्तिष्क की तरह देश के सबसे बड़े गधे का सिर रिसर्च के लिए सुरक्षित रख लिया जाएगा। कफ़ील अमरोहवी की गज़ल है, 'बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी'। बात गधों तक होती तो ठीक था। पर अब इसमें गधों के साथ गिद्ध और गोदी भी शामिल हो गए हैं। झुन्नू लाल नेताओं की तुलना गिद्धों से करते हैं और पत्रकारों को पक्षकार बताते हुए उन्हें गोदी कहना पसंद करते हैं। उनका कहना है कि कोरोना को हराने का दावा करने वाले कोविशील्ड इंजेक्शन पर जो विवाद उठा है, उस पर भी अंधभक्त नाराज़ नहीं। अंधभक्तों का मानना है कि उनमें दिमाग न होने के कारण उन पर इस इंजेक्शन का फर्क नहीं पड़ेगा। पर देश में जिस तरह पार्टियों ने भ्रष्टाचारियों और कथित अपराधियों को चुनावी टिकट बांटे हैं, उससे साबित होता है कि देश में दिनोंदिन न केवल गिद्धों की संख्या बढ़ रही है, बल्कि उनके मान-सम्मान में भी गरिमापूर्ण वृद्धि हो रही है। परिवारवाद का आरोप लगाने वाले माननीय बाप के बलात्कारी होने पर बेटे को टिकट दे रहे हैं। कर्नाटक में सैकड़ों महिलाओं से बलात्कार का एक माननीय आरोपी गिद्ध मतदान वाले दिन हिटलर की मज़ार पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए जर्मनी उड़ चुका है। बेचारे झुन्नू अभी तक यह नहीं समझ पाए हैं कि जो गिद्ध सत्ता प्राप्त करने से पहले चुनावों में अपने संबोधनों में कहते हैं कि विपक्ष की करनी के कारण उन्हें शर्म आती है, वह कुर्सी पर बैठते ही कैसे बेशर्म हो उठते हैं। गधों और गिद्धों के समकक्ष एक और ज़मात है गोदियों की। अंधभक्तों में शत प्रतिशत गधत्व का विकास करने वाले गोदियों ने पिछले दशक में गिद्धों के साथ मिलकर जो अथक, कमरतोड़ मेहनत की है, उसके सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। अब फील्ड में वोट मांगने के लिए जाने वाले माननीय गिद्धों को दौड़ाने वाली जनता रिपोर्टिंग के लिए आने वाले गोदियों को भी दौड़ा रही है। खबरें चुटकलों में तबदील हो चुकी हैं और संपादकीय सरकारी इश्तहारों में। माननीयों की सुरक्षा के लिए निर्धारित ब्लू बुक और यलो बुक की तजऱ्पर गोदियों ने सत्ता की पक्षकारिता हेतु अपने लिए ब्लेम बुक की रचना की है। इस ब्लेम बुक के एकमात्र नियम के तहत देश में तमाम अव्यवस्थाओं के लिए सवाल सत्ता से नहीं, विपक्ष से पूछे जाते हैं और विपक्ष पर सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग न देने के आरोप लगाए जाते हैं।

FMCG उद्योग मार्च क्वार्टर में 6.5 प्रतिशत की आई तेजी, शहरों के बदले गांव में हुई ज्यादा खपत

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय FMCG उद्योग ने 2024 की जनवरी–मार्च अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर मात्रा के मामले में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुभव किया है। बता दें कि पांच तिमाहियों में पहली बार ग्रामीण खपत शहरी से आगे निकल गई। FMCG उद्योग ने मूल्य में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुभव किया है जिसका श्रेय अखिल भारतीय स्तर पर मात्रा में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि को जाता है।

नई दिल्ली। कंज्यूमर इंटेलीजेंस फर्म नीलसनआईक्यू ने बताया कि भारतीय FMCG उद्योग ने 2024 की जनवरी-मार्च अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर मात्रा के मामले में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुभव किया है। बता दें कि पांच तिमाहियों में पहली बार ग्रामीण खपत शहरी से आगे निकल गई। नीलसनआईक्यू (NIU) ने 2024 की पहली तिमाही के लिए अपने तिमाही स्नैपशॉट में कहा कि खाद्य और गैर-खाद्य दोनों क्षेत्रों ने 2024 की पहली तिमाही में खपत में वृद्धि में योगदान दिया, लेकिन भोजन की तुलना में गैर-खाद्य में लगभग दोगुनी वृद्धि देखी गई।

FMCG उद्योग में बढ़ोतरी

FMCG उद्योग ने मूल्य में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुभव किया है, जिसका श्रेय अखिल भारतीय स्तर पर मात्रा में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि को जाता है। इसमें कहा गया है कि इस तिमाही के लिए वॉल्यूम वृद्धि Q1 2023 से अधिक थी, जो 3.1 प्रतिशत थी।

एनआईक्यू के कस्टमर सक्सेस इंडिया के प्रमुख रूजवेल्ट डिसूजा ने कहा कि एफएमसीजी उद्योग की वृद्धि Q12024 में उपभोग रुझानों से प्रेरित रही है, जिसमें पांच तिमाहियों में पहली बार ग्रामीण क्षेत्रों ने शहरी विकास को पीछे छोड़ दिया है।

विशेष रूप से, डिसूजा ने कहा कि घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल (HPC) श्रेणियों ने खाद्य श्रेणियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि खाद्य श्रेणियों में उच्च यूनिट खरीद देखी गई है, एचपीसी में वृद्धि काफी हद तक बड़े पैक आकारों की लोकप्रियता से प्रेरित है। त्रैमासिक स्नैपशॉट ने बताया कि शहरी और आधुनिक व्यापार में खपत में मंदी है, जबकि ग्रामीण और पारंपरिक व्यापार में तेजी है।

ग्रामीण उपभोग में वृद्धि

एनआईक्यू ने कहा कि ग्रामीण उपभोग वृद्धि ने धीरे-धीरे गति पकड़ी है और Q12024 में शहरी (विकास) को पीछे छोड़ दिया है। शहरी उपभोक्ता मांग में क्रमिक गिरावट देखी जा रही है, जिससे इस तिमाही में 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। खुदरा क्षेत्र के भीतर, आधुनिक व्यापार 14.7 प्रतिशत की मजबूत दोहरे अंक की मात्रा वृद्धि प्रदर्शित कर रहा है। दूसरी ओर, पारंपरिक व्यापार में स्थिर वृद्धि देखी गई, मात्रा में 2024 की पहली तिमाही में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पिछली तिमाही (2023 की चौथी तिमाही) में यह 5.3 प्रतिशत थी, यह दर्शाता है कि पारंपरिक खुदरा चैनल अपनी पकड़ बनाए हुए हैं।

इरेडा पर आरबीआई की प्रस्तावित गाइडलाइंस का क्या असर होगा, कंपनी ने खुद बताया

परिवहन विशेष न्यूज

बैंकिंग रेगुलेटर रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल ही में वित्तीय संस्थाओं के लिए मसौदा निर्देशों को जारी किया है। इसमें प्रस्ताव है कि इंफ्रा प्रोजेक्ट को कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों को कुल लोन का 5 प्रतिशत प्रोविजिनिंग के रूप में रखना होगा। इससे बैंकिंग और नॉन–बैंकिंग संस्थानों के शेयरों में भारी गिरावट आई। IREDA का कहना है कि RBI के फैसले का उस पर बेहद सीमित प्रभाव होगा।

नई दिल्ली। पिछले दिनों बैंकिंग रेगुलेटर रिजर्व बैंक (RBI) ने वित्तीय संस्थानों के लिए ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी की थी। इसमें प्रस्ताव है कि इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों को लोन का 5 प्रतिशत प्रोविजिनिंग के तौर पर रखना होगा। हालांकि, प्रोजेक्ट के शुरू इससे बैंकिंग और नॉन-बैंकिंग, सभी कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों के शेयरों में भारी गिरावट आई।

इसमें सरकारी क्षेत्र की Indian Renewable Energy Development Agency (IREDA) भी है, जिसे हाल ही में सरकार ने 'नवरत्न' दर्जा दिया था। मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली इरेडा के शेयरों में सोमवार को बड़ी गिरावट आई। मंगलवार को भी बीएसई पर इरेडा के शेयर 2.70 प्रतिशत गिरकर 167.65 रुपये पर बंद हुआ। इससे पता चलता है कि अभी भी निवेशक आरबीआई की प्रस्तावित गाइडलाइंस को लेकर डरे हुए हैं।

हालांकि, IREDA का कहना है कि केंद्रीय बैंक की प्रस्तावित गाइडलाइंस का कंपनी पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। वहीं, प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स (PAT) के लगभग अप्रभावित रहने की उम्मीद है।

आरबीआई की ड्राफ्ट गाइडलाइंस का मकसद उन खामियों को दूर करना है, जिनकी वजह से नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (NPA) बढ़ता है। इससे कंसोर्टियम फाइनेंसिंग में अनुशासन बढ़ेगा। इसका ज्यादा असर उन लेंडर्स पर पड़ेगा, जो आरबीआई के प्रोविजनिंग नॉर्म्स का पालन करते हैं। साथ ही, अपने AUM में लंबी निर्माण अवधि वाले प्रोजेक्ट्स रखते हैं। इरेडा पर इसका बेहद सीमित प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि हम पहले से ही हायर प्रोविजनिंग का पालन करते हैं और हमें आरबीआई की प्रस्तावित गाइडलाइंस से तालमेल बिठाने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

प्रदीप कुमार दास, IREDA के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर

IREDA पर क्यों नहीं होगा ज्यादा इंपैक्ट?

IREDA जिन RE प्रोजेक्ट, जैसे कि सौर और पवन परियोजनाएं, की फाइनेंस करती है, उनकी निर्माण अवधि अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग NBFC की तुलना में कम होती है।

IREDA के पोर्टफोलियो में शामिल ज्यादातर प्रोजेक्ट पर पहले ही काम शुरू हो गया, इसलिए अतिरिक्त प्रावधान की जरूरत का प्रभाव सीमित हो जाता है।

IREDA के प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स (पीएटी) के काफी हद तक अप्रभावित रहने की उम्मीद है। वहीं, नेट वर्थ और Capital Adequacy Ratio (CRAR) पर मामूली असर पड़ सकता है।

> “IREDA का कहना है कि केंद्रीय बैंक की प्रस्तावित गाइडलाइंस का कंपनी पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। वहीं, प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स (PAT) के लगभग अप्रभावित रहने की उम्मीद है। आरबीआई की ड्राफ्ट गाइडलाइंस का मकसद उन खामियों को दूर करना है, जिनकी वजह से नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (NPA) बढ़ता है। इससे कंसोर्टियम फाइनेंसिंग में अनुशासन बढ़ेगा। इसका ज्यादा असर उन लेंडर्स पर पड़ेगा, जो आरबीआई के प्रोविजनिंग नॉर्म्स का पालन करते हैं। साथ ही, अपने AUM में लंबी निर्माण अवधि वाले प्रोजेक्ट्स रखते हैं। इरेडा पर इसका बेहद सीमित प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि हम पहले से ही हायर प्रोविजनिंग का पालन करते हैं और हमें आरबीआई की प्रस्तावित गाइडलाइंस से तालमेल बिठाने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

इनसाइड

केंद्रीय कर्मचार यिों की मौज ही मौज, DA में बढ़ोतरी के बाद बढ़ गई ग्रेजुएटी लिमिट

7th Pay Commission सरकार ने मार्च में केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते (Dearness Allowance) में इजाफा किया। अब कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 46 फीसदी से बढ़कर 50 फीसदी हो गया है। महंगाई भत्ते (DA Hike) के साथ कर्मचारियों के ग्रेच्युटी लिमिट (Gratuity Hike) में भी बढ़ोतरी हुई है। आज हम आपको बताएंगे कि सरकार ने कर्मचारियों के ग्रेच्युटी (Gratuity) में कितनी फीसदी की बढ़ोतरी की है।

नई दिल्ली। अगर आपके परिवार में किसी की भी सरकारी नौकरी है तो आपको पता होना चाहिए कि सरकार ने मार्च में केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (Dearness Allowance) में इजाफा किया है। अब केंद्रीय कर्मचारी का डीए 46 फीसदी से 50 फीसदी हो गया है। डीए में बढ़ोतरी (DA Hike) के साथ कई भत्ते भी बढ़ गए हैं। इसके अलावा अब सरकार ने कर्मचारियों के ग्रेच्युटी (Gratuity) में भी बढ़ोतरी की है।

भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय के आदेश के अनुसार सरकार ने डीए में 50 फीसदी की वृद्धि के साथ रिटायरमेंट और डेथ ग्रेच्युटी की सीमा (Gratuity Hike) को भी 25 फीसदी बढ़ दिया है।

पेटीएम में दो और रिजाइन, सीबीओ के पद से हटे अजय विक्रम सिंह और बिपिन कौल

परिवहन विशेष न्यूज

पेटीएम अपने तिमाही नतीजों को पेश करने की तैयारी कर रही है। लेकिन इसी बीच उसके दो और सीनियर अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। इससे कंपनी की मुश्किलों में और इजाफा हुआ है। इस्तीफा देने वालों में यूपीआई और यूजर ग्रोथ वर्टिकल के चीफ बिजनेस ऑफिसर (CBO) अजय विक्रम सिंह और ऑफलाइन पेमेंट्स के CBO बिपिन कौल शामिल हैं।

नई दिल्ली। देश की सबसे चर्चित पेमेंट ऐप में से एक पेटीएम (Paytm) अपने तिमाही नतीजों को पेश करने की तैयारी कर रही है। लेकिन, इसी बीच उसके दो और सीनियर अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। इससे कंपनी की मुश्किलों में और इजाफा हुआ है।

इस्तीफा देने वालों में यूपीआई और यूजर ग्रोथ वर्टिकल के चीफ बिजनेस ऑफिसर (CBO) अजय विक्रम सिंह और ऑफलाइन पेमेंट्स के CBO बिपिन कौल शामिल हैं। यह सब कंपनी की मौजूदा रिस्ट्रक्चरिंग प्रक्रिया के तहत हो रहा है।

पेटीएम ने एक बयान में कहा, 'कंपनी अपने सभी बिजनेस वर्टिकल में मजबूत ग्रोथ सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अभी रिस्ट्रक्चरिंग प्रोसेस से गुजर रहे हैं, यह पेटीएम के सीईओ के कंपनी को लेकर नए नजरिए का संकेत है। ये बदलाव पेटीएम के नेक्स्ट लाइन के अधिकारियों को मजबूत करने का तरीका है।

पिछले हफ्ते पेटीएम का मालिकाना हक रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (OCL) ने अपने लीडरशिप टीम को बढ़ाने का एलान किया था, ताकि पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज को मुनाफे में लाया जा सके।

इस डिजिटल पेमेंट कंपनी ने कहा, 'ये जोश से लबरेज लीडर सीधे सीईओ और अन्य सीनियर मैनेजमेंट के साथ काम करेंगे और इनोवेशन को बढ़ावा देंगे।'

पेटीएम के अनुसार, प्रेसिडेंट और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर भावेश गुप्ता ने 'निजी कारणों' के कारण करियर में ब्रेक लिया है और अब वह सलाहकार की भूमिका में रहेंगे। पेटीएम ने अपनी वेल्थ सब्सिडियरी में भी बड़ा बदलाव किया है। उसने राकेश सिंह को पेटीएम मनी लिमिटेड के नए सीईओ के रूप में नियुक्त किया गया है।

मंगलवार को पेटीएम के शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 333.85 रुपये पर बंद हुए।

भारत के खिलौना निर्यात में गिरावट, सरकार से यह मदद मांग रही इंडस्ट्री

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान भारत का खिलौना निर्यात मामूली घटकर 15.23 करोड़ डालर रहा है। आर्थिक थिंक टैंक GTRI की रिपोर्ट के अनुसार 2022–23 में खिलौना निर्यात 15.38 करोड़ डॉलर था। GTRI का कहना है कि आवश्यक गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों से भारत के खिलौना निर्यात को बहुत ज्यादा लाभ नहीं मिला है। घरेलू उपायों का प्राथमिक उद्देश्य स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना और सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत का खिलौना निर्यात मामूली घटकर 15.23 करोड़ डालर रहा है। आर्थिक थिंक टैंक GTRI की रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 में खिलौना निर्यात 15.38 करोड़ डॉलर था।

GTRI का कहना है कि आवश्यक गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों से भारत के खिलौना निर्यात को बहुत ज्यादा लाभ नहीं मिला है। घरेलू उपायों का प्राथमिक उद्देश्य स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना और सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2019-20 से 2021-22 के दौरान निर्यात में वृद्धि रही है।

इस दौरान भारत का खिलौना निर्यात 12.96 करोड़ डॉलर से बढ़कर 17.7 करोड़ डालर पर पहुंच गया था। बीते वित्त वर्ष में आयात बढ़कर 6.49 करोड़ डॉलर रहा है जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 6.23 करोड़ डॉलर था।

क्या है एक्सपर्ट की राय

GTRI के फाउंडर अजय श्रीवास्तव का कहना है कि भारत को खिलौना निर्यात बढ़ाने के लिए दूसरे उपाय करने होंगे। उन्होंने ने कहा कि QCO (भारतीय गुणवत्ता परिषद) ने चीन से घटिया आयात पर रोक लगाई। लेकिन, इसका भारतीय कारोबारियों को ज्यादा लाभ नहीं मिला और निर्यात में वृद्धि नहीं हुई।

उन्होंने कहा, 'भारत में कुछ देशों से खराब क्वॉलिटी के खिलौने आते हैं, खासकर चीन से। सरकार ने 2020 से खराब क्वॉलिटी वाले खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाया है। साथ ही, घरेलू खिलौना उद्योग को मजबूत करने के लिए कई अहम फैसले भी किए हैं। लेकिन, भारतीय खिलौना उद्योग को और भी ज्यादा बेहतर करने के लिए व्यापक नजरिया अपनाने की जरूरत है।'

अभी अमेरिका खिलौने का सबसे बड़ा आयातक है। 2022 में अमेरिका ने 40 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के खिलौने, गुड़िया और खेल सामग्री का आयात किया था। वहीं, चीन दुनिया का सबसे बड़ा खिलौना निर्यातक है। उसने 2022 में 103 अरब डॉलर के खिलौने, खेल और खेल सामग्री का निर्यात किया।

सोना 200 रुपये चढ़ा, चांदी 700 रुपये उछली; इजरायल के इस फैसले का दिखा असर

परिवहन विशेष न्यूज

वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के चलते राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को लगातार दूसरे सत्र में सोने के भाव में इजाफा हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार सोने की कीमतें 200 रुपये बढ़कर 72450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। पिछले कारोबारी सत्र में यह 72250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। चांदी का दाम भी 700 रुपये उछलकर 85000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया।

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के चलते राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को लगातार दूसरे सत्र में सोने के भाव में इजाफा हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, सोने की कीमतें 200 रुपये बढ़कर 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। पिछले कारोबारी सत्र में यह 72,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था।

चांदी में भी दिखा उछाल

चांदी का दाम भी 700 रुपये उछलकर 85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 84,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर कमोडिटी एनालिस्ट सौमिल गांधी ने कहा, ₹विदेशी बाजारों से सकारात्मक संकेत मिला। इससे दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 200 रुपये बढ़कर 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं।₹

अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें, तो कॉमेक्स पर सोना हाजिर 2,319 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद के मुकाबले 7 डॉलर अधिक है।

सौमिल ने कहा कि इस तरह के संकेत मिले हैं कि अमेरिका का फेडरल रिजर्व इस साल ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। अमेरिकी पॉलिसी मेकर की बातों में नरमी दिखी, जिससे ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ गई।

भू-राजनीतिक तनाव के चलते तेजी

सौमिल ने कहा, ₹मध्य पूर्व में बढ़ती भू-राजनीतिक चिंताओं से भी सोने का भाव बढ़ा है। इजरायल ने भी गाजा में लड़ाई खत्म करने के हमास के संघर्ष विराम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। इससे भी सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने के भाव में तेजी आई है।

इससे पहले भी सोने के भाव में लगातार तेजी देखी जा रही थी। खासकर, ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ने की वजह से। लेकिन, पिछले कुछ समय से इसमें नरमी का रुख था। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव दोबारा बढ़ने और शेयर मार्केट में अस्थिरता के बीच भारतीय निवेशक सोने का रुख कर रहे हैं।

तीन सालों में शुद्ध घरेलू बचत नौ लाख करोड़ रुपये घटी, परिवारों का लोन भी दोगुना हुआ

शुद्ध घरेलू बचत तीन साल में 9 लाख करोड़ रुपये से घटकर 2022–23 तक 14.16 लाख करोड़ रुपये पर आ गई। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के हालिया राष्ट्रीय खाता सांख्यिकी 2024 के डेटा से मिली है। परिवारों का बैंक एडवांस (लोन) भी तीन साल में दोगुना हो गया। यह 2020–21 में 6.05 लाख करोड़ रुपये था जो 2022–23 में 11.88 लाख करोड़ रुपये हो गया।

नई दिल्ली। शुद्ध घरेलू बचत तीन साल में 9 लाख करोड़ रुपये से घटकर 2022-23 तक 14.16 लाख करोड़ रुपये पर आ गई। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के हालिया राष्ट्रीय खाता सांख्यिकी 2024 के डेटा से मिली है।

2020-21 में शुद्ध घरेलू बचत 23.29 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई थी। उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। 2021-22 में शुद्ध घरेलू बचत घटकर 17.12 लाख करोड़ रुपये रह गई और 2022-23 में यह घटकर पांच साल के निचले स्तर 14.16 लाख करोड़ रुपये पर आ गई।

शुद्ध घरेलू बचत का पिछला निचला स्तर 2017-18 में 13.05 लाख करोड़ रुपये था, जो 2018-19 में बढ़कर 14.92 लाख करोड़ रुपये हो गई। 2019-20 में यह आंकड़ा 15.49 लाख करोड़ रुपये हो गया।

MF में जमकर निवेश कर रहे लोग

मंत्रालय के आंकड़ों से यह भी पता चला कि तीन साल में म्यूचुअल फंड में निवेश 2022-23 में लगभग तीन गुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह 2020-21 में 64,084 करोड़ रुपये और 2021-22 में 1.6 लाख करोड़ रुपये था।

अगर शेयरों और डिबेंचर में घरेलू निवेश की बात करें, तो यह तीन वर्षों में तकरीबन दोगुना हो गया है। यह 2020-21 में 1.07 लाख करोड़ रुपये था, जो 2022-23 में 2.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, 2021-22 में यह 2.14 लाख करोड़ रुपये था।

लोन भी तीन साल में दोगुना हुआ

परिवारों का बैंक एडवांस (लोन) भी तीन साल में दोगुना हो गया। यह 2020-21 में 6.05 लाख करोड़ रुपये था, जो 2022-23 में 11.88 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, 2021-22 में यह 7.69 लाख करोड़ रुपये था।

वित्तीय संस्थानों और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों द्वारा परिवारों को दिया जाने वाला कर्ज भी 2020-21 में 93,723 करोड़ रुपये से चार गुना बढ़कर 2022-23 में 3.33 लाख करोड़ रुपये हो गया। 2021-22 में यह 1.92 लाख करोड़ था।

'चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सामूहिक रूप से आवाज उठाए विपक्ष' : कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने आइएनडीआइए गठबंधन के नेताओं को पत्र लिख पहले दो चरणों के वोटिंग का आंकड़ा जारी करने में देरी समेत चुनाव आयोग पर कई सवाल दागे। आइएनडीआइए के वरिष्ठ नेता शरद पवार को लिखे पत्र की प्रति खरगे ने अपने एक्स पोस्ट पर जारी की। खरगे ने कहा कि हालिया घटनाक्रम से जाहिर है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता अब तक के सबसे निचले स्तर पर है।

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के दो चरणों के मतदान के आंकड़े जारी करने में चुनाव आयोग की देरी पर सवाल उठाते हुए विपक्षी आइएनडीआइए गठबंधन के नेताओं को पत्र लिख चुनाव आयोग की स्वतंत्र कार्यप्रणाली की रक्षा करने के लिए सामूहिक आवाज उठाने की जरूरत बताई है। वोटिंग आंकड़े में विलंब के साथ ही चुनाव क्षेत्र के पंजीकृत मतदाताओं और मतदान करने वाले लोगों का आंकडा जारी नहीं करने पर चिंता जताते हुए आयोग से इसका कारण पूछा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए यह भी कहा "हम सभी जानते हैं कि पहले दो चरणों में मतदान के रुझान और कमजोर होते चुनावी भविष्य से पीएम मोदी और भाजपा किस तरह घबराए हुए और निराश हैं। पूरा देश जानता है कि सत्ता के नशे में चूर एक निरंकुश शासन कुर्सी पर बने रहने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।"

आइएनडीआइए के वरिष्ठ नेता शरद पवार को लिखे पत्र की प्रति खरगे ने अपने एक्स पोस्ट पर जारी की। खरगे ने कहा कि हालिया घटनाक्रम से जाहिर है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। तीसरे चरण की अंतिम पंजीकृत मतदाता सूची भी जारी नहीं की गई। खरगे ने आरोप लगाया है कि इससे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर संशय के काले बादल मंडरा रहे हैं...

शरद पवार को लिखे पत्र की प्रति खरगे ने X पर पोस्ट की

आइएनडीआइए के वरिष्ठ नेता शरद पवार को लिखे पत्र की प्रति खरगे ने अपने एक्स पोस्ट पर जारी की। खरगे ने कहा कि हालिया घटनाक्रम से जाहिर है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। तीसरे चरण की अंतिम पंजीकृत मतदाता सूची भी जारी नहीं की गई। खरगे ने आरोप लगाया है कि इससे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर संशय के काले बादल मंडरा रहे हैं और अपने 52 साल के चुनावी जीवन में कभी भी अंतिम प्रकाशित आंकड़ों में मतदान प्रतिशत में इतनी अधिक वृद्धि उन्होंने नहीं देखी है।

क्या इवीएम को लेकर कोई समस्या है- खरगे

खरगे ने पूछा कि क्या इवीएम को लेकर कोई समस्या है? पहले चरण के लिए मतदान की समाप्ति की तारीख और आंकड़ा जारी करने में हुए विलंब तक मतदान प्रतिशत में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि क्यों हुई है? मतदान आंकड़े में संसदीय क्षेत्र और संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गए वोट जैसे महत्वपूर्ण आंकड़ें क्यों नहीं जारी किए गए हैं? खरगे ने कहा है कि आयोग के अनुसार उम्मीदवारों के पो ̈लग एजेंटों के पास प्रत्येक मतदान केंद्र का सटीक मतदाता डेटा होता है। इसका मतलब है कि आयोग के पास यह आंकड़ा है तो फिर लोगों के लिए प्रकाशित करने से क्या रोक रहा है? क्या चुनाव आयोजन की बुनियादी बातों में इस घोर कुप्रबंधन के लिए चुनाव आयोग को जवाबदेह बनाया जाएगा?

'एकजुट होकर ऐसी विसंगतियों के खिलाफ आवाज उठाएं'

इन सवालों के साथ खरगे ने कहा है कि "सभी तथ्य हमें एक प्रश्न पूछने के लिए मजबूर करते हैं - क्या यह अंतिम परिणामों से छेड़छाड़ करने का प्रयास हो सकता है?" पवार के साथ विपक्षी गठबंधन के सभी नेताओं से पत्र में खरगे ने आग्रह किया है कि सामूहिक रूप से सभी एकजुट होकर स्पष्ट रूप से ऐसी विसंगतियों के खिलाफ आवाज उठाएं क्योंकि हमारा एकमात्र उद्देश्य एक जीवंत लोकतंत्र की संस्कृति और संविधान की रक्षा करना है।

भ्रामक विज्ञापनों के लिए सेलिब्रिटी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी बराबर जिम्मेदार', पतंजलि केस में सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

पारवहन ावशष न्यूज

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापन मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की. जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला की पीठ ने कहा कि सेलिब्रिटी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी भ्रामक विज्ञापनों के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं, अगर वे किसी भ्रामक उत्पाद या सेवा का समर्थन करते हैं. विज्ञापनदाता या विज्ञापन एजेंसियां या एंडोर्सर झूठे और भ्रामक विज्ञापन जारी करने के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं.

SC ने IMA से मांगा जवाब सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी IMA अध्यक्ष डॉक्टर आरवी अशोकन के विवादित बयान पर नोटिस जारी कर 14 मई तक जवाब मांगा है. दरअसल आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कहा कि डॉ अशोकन के जानबूझकर दिए गए बयान तात्कालिक कार्यवाही में सीधा हस्तक्षेप हैं और न्याय की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं. ये बयान निंदनीय प्रकृति के हैं और जनता की नज़र में यह माननीय न्यायालय की गरिमा और कानून की महिमा को कम करने का एक स्पष्ट प्रयास है. IMA अध्यक्ष ने क्या कहा था? बालकृष्ण ने अशोकन के खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई की मांग की है. IMA के अध्यक्ष अशोकन ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत करते हुए कहा था कि ये बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने IMA और प्राइवेट डॉक्टरों की प्रैक्टिस की आलोचना की. उन्होंने कहा कि अस्पष्ट बयानों ने प्राइवेट डॉक्टरों का मनोबल कम किया है. हमें ऐसा लगता है कि उन्हें देखना चाहिए था कि उनके सामने क्या जानकारी रखी गई है.

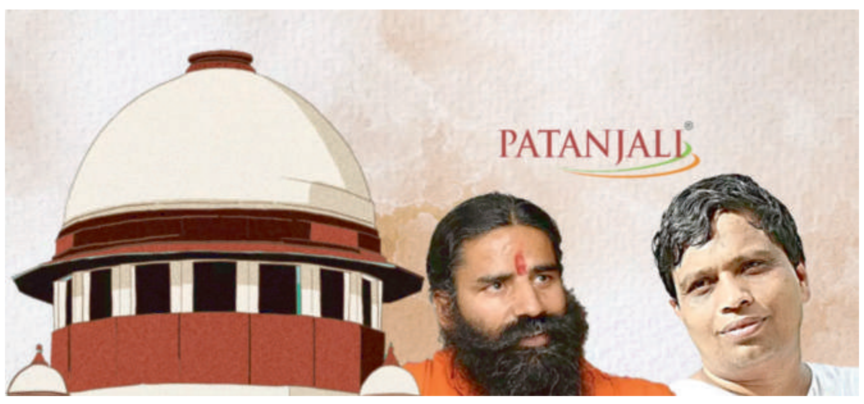

विज्ञापन हटाने के लिए क्या किया?' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पतंजलि उत्पादों के लिए जो भ्रामक विज्ञापन पोस्ट किए गए थे वे अभी भी वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं. कोर्ट ने पूछा कि उन्हें हटाने के लिए क्या किया जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'जिन उत्पादों पर अब प्रतिबंध लगा दिया गया है, उनके भ्रामक विज्ञापन अभी भी वेबसाइटों और अन्य चैनलों पर उपलब्ध हैं. आप उन्हें हटाने के लिए क्या कर रहे हैं?' रामदेव के वकील ने कहा, 'इसे लेकर हम भी चिंतित हैं और पूरी तरह सचेत हैं. अगली तारीख पर हम पूरा प्लान लेकर आएंगे. हमने एजेंसियों को इस बारे में लिखा है. आंतरिक रूप से हमने इसे रोक दिया है.'

'अगली बार पूछेंगे कि क्या कदम उठाए' * कोर्ट ने कहा कि आप मीडिया चैनलों के साथ मिलकर काम कर रहे थे और वे अभी भी इसे चला रहे हैं. आपके पास विशिष्ट आउटलेट्स हैं. आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि इन्हें हटा लिया जाए. हम अगली बार आपसे पूछेंगे कि क्या कदम उठाए गए हैं. पतंजलि की ओर से अगली तारीख पर रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्ति उपस्थिति से छूट देने का अनुरोध किया गया जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया.

तीसरे चरण में 61.55 प्रतिशत मतदान, असम में सबसे ज्यादा तो महाराष्ट्र में सबसे कम पड़े वोट

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 लोकसभा सीटों पर 61.55 प्रतिशत मतदान हुआ। तीसरे चरण में 75.30 प्रतिशत के साथ सबसे ज्यादा मतदान असम में हुआ है। वहीं बंगाल में 73.93 प्रतिशत और सबसे कम 54.98 प्रतिशत मतदान महाराष्ट्र में हुआ है। चुनाव आयोग के अनुसार बिहार की पांच सीटों पर 60 प्रतिशत मतदान हुआ है।

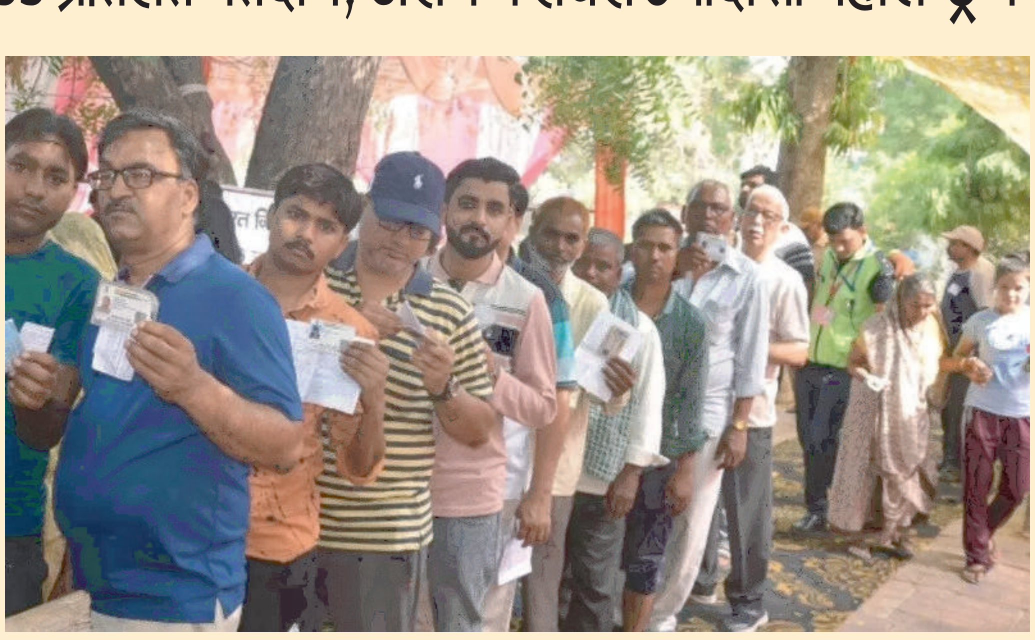

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 लोकसभा सीटों पर 61.55 प्रतिशत मतदान हुआ। इस दौरान बंगाल में छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद मतदान शांतिपूर्ण रहा। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर में तो गृह मंत्री शाह ने अहमदाबाद में मतदान किया।

तीसरे चरण में 93 सीटों पर हुआ मतदान

तीसरे चरण में 75.30 प्रतिशत के साथ सबसे ज्यादा मतदान असम में हुआ है। वहीं, बंगाल में 73.93 प्रतिशत और सबसे कम 54.98 प्रतिशत मतदान महाराष्ट्र में हुआ है। 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने आज मतदान वाली 93 सीटों में से 72 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

बता दें कि पहले दो चरण में 543 में से 189 सीटों पर वोटिंग पूरी हो चुकी है। तीसरे चरण में 93 सीटों पर मतदान हुआ है। ऐसे में लगभग आधी सीटों पर मतदान हो चुका है, जबकि अगले चार चरण 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे। मतगणना चार जून को होगी।

इन दिग्गजों की किस्मत EVM में कैद

इस चरण में गृह मंत्री अमित शाह (गांधीनगर), शिवराज सिंह चौहान (विदिशा), ज्योतिरादित्य सिंधिया (गुना), मनसुख मंडाविया (पोरबंदर), पुरुषोत्तम रूपाला (राजकोट), प्रल्हाद जोशी (धारवाड़), एसपी सिंह बघेल (आगरा), डिंपल यादव (मैनपुरी), सुप्रिया सुले (बारामती) और कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह (राजगढ़) से मैदान में हैं।

उत्तर प्रदेश में 55 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया मतदान

उत्तर प्रदेश में 10 सीटों करीब 55.13 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। मैनपुरी लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी डिंपल यादव, भाजपा प्रत्याशी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह और बसपा से शिवप्रसाद यादव मैदान में हैं। बेवर के गांव तेजगंज में मतदान केंद्र पर मारपीट और पथराव हुआ। आरोप है कि सपा कार्यकर्ता यहां पोलिंग डंप करने का प्रयास कर रहे थे। मौके पर पहुंचे भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह के पुत्र सुमित प्रताप सिंह ने विरोध किया तो अराजक तत्वों ने पथराव कर दिया। पथराव में सुमित प्रताप का वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

सपा प्रत्याशी के साथ पुलिस की तीखी नोकझोंक

उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ (पैक्सफेड) के चेयरमैन की कार पर भी हमला हुआ। आरोप है कि हमलावरों ने अखिलेश यादव जिंदाबाद का नारा भी लगाया। संभल में फर्जी मतदान की शिकायत पर पुलिस ने लाठियां फटकारकर लोगों को बाहर निकाला।

सपा प्रत्याशी के साथ पुलिस अधिकारियों की तीखी नोकझोंक भी हुई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ता मैनपुरी में "बूथ लूटने" की कोशिश कर रहे थे और विपक्षी दलों के लोगों को पुलिस स्टेशनों में हिरासत में लिया जा रहा था।

किस राज्य में कितना प्रतिशत हुआ मतदान?

चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार की पांच सीटों पर 60 प्रतिशत मतदान हुआ है। हालांकि, यह पिछले लोस चुनाव से 01.22 प्रतिशत कम है। गुजरात की 25 सीटों पर 55.22 प्रतिशत मतदान हुआ है, जबकि सूरत लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध चुना जा चुका है।

छत्तीसगढ़ में 70 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां नगरीय क्षेत्रों में कम और ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में ज्यादा मतदान हुआ है। अन्य राज्यों में, गोवा में 74.32 प्रतिशत, कर्नाटक में 66.05 प्रतिशत, दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव में 65.23 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में शाम पांच बजे तक 62.28 प्रतिशत मतदान हो चुका है।

छिटपुट घटनाओं के बीच बंगाल में तीसरे चरण में भी कम पड़े वोट

बंगाल की चार सीटों पर छिटपुट घटनाओं की घटनाओं के बीच कुल 73.93 प्रतिशत वोट पड़े। पिछले लोस चुनाव में इन चार सीटों पर कुल 81.66 प्रतिशत वोट पड़े थे। मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा में एक कांग्रेस नेता के घर पर बमबाजी की गई। आरोप तृणमूल पर लगा है। जंगीपुर में एक बूथ पर भाजपा प्रत्याशी धनंजय घोष की तृणमूल कार्यकर्ताओं से झड़प हो गई। चुनाव आयोग के पास कुल 433 शिकायतें जमा पड़ी हैं। आयोग के अनुसार, तीसरे चरण में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

ड्यूटी के दौरान गई मतदान कर्मियों की जान

मतदान के दौरान बिहार में एक होमगार्ड जवान व एक पीठासीन पदाधिकारी की हृदयगति रुकने से मौत हो गई। इसके अलावा कर्नाटक में भी दो सरकारी कर्मचारियों की हृदयगति रुकने से मौत हो गई। गुजरात में महिला निर्वाचन अधिकारी की मौत हुई है।

बुजुर्ग महिला ने पीएम मोदी को बांधी राखी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गांधीनगर सीट के अंतर्गत रानिप स्थित निशान स्कूल में वोट डाला। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने 'जय श्री राम' के नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मतदान केंद्र के बाहर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। इसी दौरान समर्थकों और शुभचिंतकों की भीड़ के बीच, एक बुजुर्ग महिला ने पीएम मोदी को राखी बांधी। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने हाथ जोड़कर उनसे आशीर्वाद मांगा।

पीएम मोदी ने की चुनाव आयोग की सराहना

उन्होंने सभी से अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने सुचारु और हिंसा मुक्त चुनावी प्रक्रिया आयोजित करने के लिए चुनाव आयोग की सराहना की। पहले वोटिंग के दौरान हिंसा होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। यह विश्व के सभी लोकतंत्रों के लिए एक उदाहरण है। यह एक केस स्टडी है।

NEET परीक्षा मे फर्जी परीक्षार्थी पकड़ी गयी , 10 लाख रुपये में डील

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर : NEET UG परीक्षा मेडिकल पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए आयोजित की जाती है। हालांकि, परीक्षा खत्म होने के बाद निट परीक्षा देने वाले फर्जी परीक्षार्थी समेत 3 की गिरफ्तारी की खबर सामने आई है। गेलपुर स्थित केंद्र से पकड़कर भद्रक ग्रामीण थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोलकाता की एक मेडिकल छात्रा परीक्षा दे रही थी। मयूरभंजर ने एक छात्र का 10 लाख रुपये में सौदा किया। छात्र का टिप मार्क और आधार कार्ड फर्जी पाया गया। ग्रामीण पुलिस ने 2 मध्यस्थों और एक मेडिकल छात्र को गिरफ्तार किया। ऐसी खबरें हैं कि पैसे देने वाला छात्र और 2 अन्य बिचौलिये शामिल हैं।

सीबीआई ने एकत्र किए एनटीपीसी के अधिकारी की आवाज के नमूने, 8 लाख रुपये रिश्वत लेने का है आरोप

सीबीआई ने एनटीपीसी के निलंबित कॉर्पोरेट संचार प्रबंधक विजय कुमार की आवाज के नमूने एकत्र कर लिए हैं। विजय कुमार को एक विज्ञापन कंपनी से आठ लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के अनुसार सीबीआई ने पूछताछ के दौरान एकत्र किए गए टेलीफोन इंटरसेप्ट और अन्य सुबूतों से मिलान करने के लिए कुमार की आवाज के नमूने लिए हैं।

नई दिल्ली। सीबीआई ने एनटीपीसी के निलंबित कॉर्पोरेट संचार प्रबंधक विजय कुमार की आवाज के नमूने एकत्र कर लिए हैं। विजय कुमार को एक विज्ञापन कंपनी से आठ लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने पूछताछ के दौरान एकत्र किए गए टेलीफोन इंटरसेप्ट और अन्य सुबूतों से मिलान करने के लिए कुमार की आवाज के नमूने लिए हैं। अधिकारियों ने कहा कि विज्ञापन कंपनी वेंचर्स एडवरटाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ हुई कुमार की बातचीत और कॉल से उनका सामना कराने के लिए उनके फोन की फोरेंसिक इमेजिंग भी की गई है। कुमार पर आरोप है कि उन्होंने कंपनी के लंबित बिलों को मंजूरी देने के लिए रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने कहा कि अगर कुमार के फोन के विश्लेषण से रिश्वतखोरी के अन्य मामलों के सुबूत मिलते हैं, तो एजेंसी आगे भी मामले दर्ज कर सकती है। अधिकारियों ने बताया कि कुमार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

तमिलनाडु में 666 करोड़ रुपये के सोने के गहनों से भरा कंटेनर पलटा, दो लोग घायल

इरोड के निकट चिटोड में सोमवार 666 करोड़ रुपये के 810 किग्रा सोने के गहनों को लेकर जा रहा निजी कंटेनर पलट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गहनों को को नए वाहन में रखवाकर गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि निजी लाजिस्टिक कंपनी का गहनों से लदा कंटेनर कोयंबटूर से सलेम जा रहा था।

चेन्नई। इरोड के निकट चिटोड में सोमवार 666 करोड़ रुपये के 810 किग्रा सोने के गहनों को लेकर जा रहा निजी कंटेनर पलट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गहनों को को नए वाहन में रखवाकर गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि निजी लाजिस्टिक कंपनी का गहनों से लदा कंटेनर कोयंबटूर से सलेम जा रहा था। हालांकि, समथुवापुरम के निकट मोड़ पर चालक शशि कुमार वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वाहन पलट गया। हादसे में चालक शशि कुमार और सशस्त्र सुरक्षाकर्मी बलराज गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर चिटोड पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, कंटेनर में रखे आभूषणों पर कोई असर नहीं पड़ा। गहने प्राप्त करने वाले और भेजने वाले ने घटना की जानकारी पर नया वाहन और सुरक्षा कर्मी मौके पर भेज दिया। इसके बाद आभूषणों को पलटे वाहन से नए वाहन में रखवाकर सलेम के लिए रवाना कर दिया गया।

केरल में ट्रेन की चपेट में आकर हथनी की मौत, लोको पायलट के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कांजीकोड के पास ट्रेन की चपेट में आने से हथनी की मौत मामले में केरल के वन विभाग ने त्रिवेंद्रम मेल के लोको पायलट पर मुकदमा दर्ज किया है। कांजीकोड के पास सोमवार देर रात चेन्नई जा रही त्रिवेंद्रम मेल की चपेट में आने से हथनी की मौत हो गई थी। जिले में एक महीने के भीतर यह इस तरह की दूसरी घटना है।

पलक्क्ड़। कांजीकोड के पास ट्रेन की चपेट में आने से हथनी की मौत मामले में केरल के वन विभाग ने त्रिवेंद्रम मेल के लोको पायलट पर मुकदमा दर्ज किया है। कांजीकोड के पास सोमवार देर रात चेन्नई जा रही त्रिवेंद्रम मेल की चपेट में आने से हथनी की मौत हो गई थी। जिले में एक महीने के भीतर यह इस तरह की दूसरी घटना है। केरल के वन मंत्री एके सशींद्रन ने मंगलवार को कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ट्रेन की रफ्तार निर्धारित गति सीमा से अधिक थी। लोको पायलट के खिलाफ वन्यजीव अधिनियम के प्रासंगिक प्रविधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि जांच से संकेत मिलता है कि ट्रेन की चपेट में आने के बाद हथनी घायल हो गई। दुर्घटना के लगभग 30 मिनट के बाद उसने दम तोड़ दिया। इससे पहले 13 अप्रैल को पलक्कड जिले में ट्रेन से कटकर एक अन्य हथनी की मौत हो गई थी।

राजस्थान में आग उगल रहा सूरज, MP और पंजाब में भी तपती गर्मी से लोगों का बुरा हाल; जानिए IMD का ताजा अपडेट

राजस्थान के बाड़मेर में पारा 45 .02 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं फलौदी जैसलमेर और श्रीगंगानगर में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जयपुर में 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिन कुछ प्रमुख शहरों सहित डेढ़ दर्जन जिलों में गर्म हवाएं चलने की संभावना जताई है। पंजाब में भीषण गर्मी ने हाल बेहाल कर दिया।

नई दिल्ली। मौसम ने अपनी तपिश दिखानी शुरु कर दी है। तेज गर्मी और लू के कारण लोगों का बुरा हाल है। दिल्ली सहित अन्य राज्यों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मंगलवार को सबसे अधिक तापमान राजस्थान में 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद मध्य प्रदेश और पंजाब में रिकार्ड किया गया। देश के मैदानी क्षेत्र के सबसे गर्म शहरों में दमोह पांचवें नंबर पर रहा। दमोह में 44.8 डिग्री सेल्सियस और पंजाब में अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री पहुंच गया। पंजाब का लुधियाना सबसे गर्म रहा। दिल्ली का अधिकतम तापमान 42 डिग्री पर पहुंच गया। नजफगढ़ दिल्ली का सबसे गर्म इलाका रहा, यहां का तापमान 43.9 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि हवाओं का रुख दक्षिणी होने से अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023